30 जुलाई 2025
बुधवार

डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स

आपकी आवाज

संदेहास्पद स्थिति में विवाहिता की मौत, अस्पताल में मायके वालों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

दुनिया के किसी भी नेता ने भारत को ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा : पीएम मोदी

एजेंसी/नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र का सातवां दिन है। लोकसभा में पीएम मोदी ने कहा कि करो चर्चा इतनी करो कि दुश्मन दहशत से दहल उठे। रहे ध्यान बस इतना ही मान सिंदूर और सेना का प्रश्नों में भी अटल रहे। हमला मां भारती पर हुआ तो प्रचंड प्रहार करना होगा। हमें भारत के लिए ही जीना होगा। कांग्रेस एक परिवार के दबाव में पाकिस्तान को क्लीन चिट देना बंद करे। । भारत आतंक की नर्सरी में ही आतंक को मिट्टी मिलाएगा। ऑपरेशन सिंदूर जारी है। ये पाकिस्तान के लिए भी नोटिस है। जब तक वो भारत के खिलाफ आतंक को रोकेगा नहीं, तब- तब भारत एक्शन लेगा। भारत सुरक्षित हो, यही हमारा संकल्प है। मैंने भारत का पक्ष रखा है। लोकसभा में पीएम मोदी ने कहा कि 2001 में देश की संसद पर हमला हुआ तो एक कांग्रेस नेता ने अफजल गुरु को सम्मान देने की बात कही। मुंबई हमले के बाद एक पाकिस्तानी आतंकी पकड़ा गया। लेकिन कांग्रेस पाकिस्तानी आतंकी को लेकर खेल खेलती रही। कांग्रेस उस आतंकी को भगवा आतंकी सिद्ध करने में जुटी थी। कांग्रेस ने संविधान को जम्मू-कश्मीर से बाहर रखा।पहलगाम ने हमको झकझोर दिया है। हमने ऑपरेशन सिंदूर किया तो देश में सिंदूर स्प्रिरिट पैदा हुई। यह हमने तब भी देखी जब हमारे प्रति निधिमंडल विदेश गए। प्रतिनिधिमंडल ने भारत की बात दुनिया के सामने रखी।

● 2001 में संसद पर हमला हुआ तो एक कांग्रेस नेता ने अफजल गुरु को सम्मान देने की बात कही

2014 से पहले देश मे असुरक्षा का था माहौल

कांग्रेस के बडे.नेता के पेट में दर्द है कि भारत का पक्ष दुनिया को क्यों बताया गया? कुछ नेताओं के सदन में बोलने पर पाबंदी लगा दी गई। इस मानसिकता से बाहर निकलने की जरूरत है। लोकसभा में पीएम मोदी ने कहा कि विपक्ष में बैठे लोग आतंकवाद पर बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। जब यह सत्ता में थे तब देश का हाल क्या है, क्या रहा वो आज भी देश भूला नहीं है। 2014 से पहले देश में असुरक्षा का माहौल था। लोग आज सिहर जाते हैं। हम सबको याद है कि हार जगह घोषणा होती थी कि कोई लावारिस चीज दिखे छूना मत। हम 2014 तक यही सुनते रहे। ऐसा लगता था कि जैसे देश के कोने-कोने में, कदम-कदम पर बम बिछे हैं। कांग्रेस की कमजोर सरकारों के कारण देश ने तमाम जानें गंवाई। आतंकवाद पर लगाम लगाई जा सकती थी। हमने 11 साल में ये करके दिखाया है। 2004 से 2014 के बीच होने वाली घटनाओं में कमी आई है। जब हम आतंकवाद पर नकेल कस सकते हैं तो कांग्रेस की क्या मजबूरी थी कि उसने आतंकवाद को क्यों नहीं रोका। जबकि सभी संसाधन देश के पास मौजूद थे। कांग्रेस के नेताओं ने आंतकवाद रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया था। जो देश की सुरक्षा को तोड़ा जा रहा था।

कांग्रेस ने विवाद की पंचायत वर्ल्ड बैंक को सौंपी

लोकसभा में पीएम मोदी ने कहा कि नेहरू जी ने यह समझौता किया। हमारे यहां से निकली हुई नदियों का पानी पाकिस्तान जाता था। भारत की पहचान सिंधु नदी को नेहरू और कांग्रेस ने विवाद की पंचायत वर्ल्ड बैंक को सौंपी। नदी हमारी, पानी हमारा। सिंधु जल संधि सीधा-सीधा भारत की अस्मिता से किया गया बहुत बड़ा धोखा था। देश के युवा ये बात सुनते होंगे तो सोचेंगे कि हमारे देश के साथ क्या किया गया। नेहरूजी 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को देने को राजी हो गए। ये कौन सी बुद्धिमानी थी। कौन सा देशहित था। हमारे देश से निकली नदियों से केवल हमें 20 फीसदी पानी। 80 फीसदी पानी भारत के दुश्मन कहने वालों को दे दिया गया। जबकि इस पानी पर हमारे देश के किसानों का अधिकार थे। कांग्रेस ने देश को पानी के संकट में धकेला। अगर यह संधि न होती तो पश्चिमी नदियों पर कई बड़ी परियोजनाएं बनती। कई राज्यों के किसान और लोगों को भरपूर पानी मिलता। नेहरूजी ने इसके बाद पाकिस्तान को नहर बनाने के लिए करोड़ों रुपये भी दिए। नेहरूजी ने पाकिस्तान के कहने पर स्वीकार किया बांध का कूड़ा और मिट्टी इसकी सफाई हम नहीं कर सकते। ये फैसला उन्होंने पाकिस्तान को सौंपा।

बासुकीनाथ मुख्य रोड़ पर स्थित जमुनिया चौक के पास हुआ दर्दनाक हादसा

देवघर में कांवर यात्रा के दौरान बस व ट्रक की टक्कर, 18 श्रद्धालुओं की मौत

- घायलों को तत्काल देवघर सदर अस्पताल, बासुकीनाथ स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया भर्ती
- घटना में 30 से अधिक श्रद्धालु गंभीर रूप से जख्मी हो गए
- बस के परखच्चे उड़ गए और कई कांवड़िए सड़क पर दूर तक फेंके गए

एजेंसी/देवघर

बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए चल रही कावड़ यात्रा के दौरान झारखंड के देवघर में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया है। देवघर-बासुकीनाथ मुख्य रोड पर स्थित जमुनिया चौक के पास कांवड़ियों से भरी एक बस और ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार, इस हादसे में 18 कांवड़ियों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की भी आशंका जताई जा रही है। यह दिल दहला देने वाला हादसा उस समय हुआ जब श्रद्धालु बोल बम के जयकारों के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम की ओर बढ़ रहे थे। इस भीषण टक्कर से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना इतनी भयावह थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और कई कांवड़िए सड़क पर दूर तक फेंके गए। घायलों को तत्काल देवघर सदर अस्पताल, बासुकीनाथ स्वास्थ्य केंद्र और अन्य नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। कुछ प्रारंभिक रिपोर्टों में मृतकों की संख्या 6 बताई गई थी, लेकिन प्रशासन ने पुष्टि की है कि मृतकों की संख्या बढ़कर 18 हो चुकी है।

कई घायलों की हालत नाजुक है, जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, जिला प्रशासन और एंबुलेंस टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। जिला प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। हादसे के बाद स्थानीय ट्रैफिक को डायवर्ट कर दिया गया है और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।यह हादसा उस समय हुआ जब कांवरिए बोल बम के जयकारों के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम की ओर बढ़ रहे थे। घटना के बाद इलाके में मातम पसरा हुआ है।

मृतकों के परिवारों को प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया गया है। बाबा बैद्यनाथ सभी मृतकों के परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें। श्रावण मास में लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा करते हैं। ऐसे में यह हादसा प्रशासनिक तैयारियों और सड़क सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जिला प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सुरक्षा मानकों की समीक्षा करने और सख्त ट्रैफिक कंट्रोल के निर्देश दिए हैं।

सूचना मिलने पर मोहनपुर थाना प्रभारी प्रियरंजन समेत पुलिस टीम पहुंची और राहत-बचाव किया. स्थानीय लोगों की मदद सेघायलों को एम्बुलेंस के जरिए मोहनपुर सीएचसी भेजा गया। वहीं इस घटना में कई श्रद्धालुओं की पहचान नहीं हो पायी है। पहचान के लिए प्रशासन की ओर से लगातार प्रयास किया जा रहा है।

गया और बेतिया के रहने वाले थे सभी मृतक

इस हादसे में 18 कांवरियों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हैं। हालांकि, कुछ अन्य रिपोर्टों में मृतकों की संख्या 6 और 30 से अधिक घायलों का जिक्र है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। मृतक और घायल बिहार के बेतिया और गया के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घायलों को तुरंत देवघर के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग और पुलिस ने मिलकर बचाव कार्य शुरू किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और अन्य नेताओं ने हादसे पर दुख जताया है। देवघर के सांसद निशिकांत दुबे ने हादसे पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि मेरे लोकसभा क्षेत्र देवघर में श्रावण मास की कांवर यात्रा के दौरान बस और ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने से 18 श्रद्धालुओं की मृत्यु अत्यंत दुखद है।

सड़क हादसे में तीन पीढ़ियों का दुखद अंत

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तीन वाहनों की भिड़त में एक ही परिवार के पिता, दादा और पुत्र की मौत हो गई। तीन घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। दरअसल खंडवा इंदौर नेशनल हाईवे रोड पर मंगलवार शाम 4 बजे बोलेरो और टवेरा कार की टक्कर हो गई। उसी रोड पर चल रही बाइक भी इनकी चपेट में आ गई। घटना स्थल पर दो लोगों की मौत हो गई, वहीं एक बच्चे को घायल हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई।घटना छैगांव माखन थाना क्षेत्र रोसिया गांव के पास की। पुलिस के मुताबिक राहगीरों से सूचना मिलने पर घटना स्थल पर पहुंचे। जहां बोलेरा, टवेरा और बाइक की टक्कर हो गई जिसमें विनोद पिता लक्ष्मण रायकवार 35, लक्ष्मण पिता भाईराम 55 निवासी चिच गोहान ने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं अन्य चार घायलों को एम्बुलेंस से खंडवा जिला अस्पताल रेफर किया। जहां अंशु पिता विनोद ने दम तोड़ दिया। साथ ही तीन घायलों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। घटना के बाद परिजनों की जिला अस्पताल में भीड़ लग गई। एक ही घर में तीन मौत से पूरे गांव में मातम पसर गया है। पुलिस ने मृतकों को मचुर्री में रख वाहन जप्त कर लिए गए हैं। वहीं दूसरी ओर एक परिवार के तीन लोगों की मौत के बाद परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सभी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

नीतीश कैबिनेट की बैठक में 41 एजेंडों पर लगी मुहर

एजेंसी/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को बिहार कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में कुल 41 एजेंडों पर मुहर लगी, जिसमें खास तौर से राजगीर खेल अकादमी के लिए 1131 करोड़ रुपये का आवंटन है। बैठक में पत्रकार पेंशन योजना में संशोधन किया गया है। पहले पत्रकारों को छह हजार रुपये प्रति माह पेंशन मिलती थी, जिसे बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। इसके अलावा राजगीर खेल अकादमी के लिए 1131 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। सीएम ने कुछ दिनों पहले पत्रकार पेंशन को 6000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये करने की घोषणा की गई थी, जिसे अब कैबिनेट ने औपचारिक मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही राजगीर में खेल अकादमी की स्थापना के लिए 1100 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई है, जिससे राज्य के खेल क्षेत्र को नया आयाम मिलेगा। वहीं, बिहार राज्य युवा आयोग में 6 नए पदों को भी स्वीकृति दी गई है, जो युवाओं की आवाज को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, राजगीर खेल अकादमी के लिए 1100 करोड़ की भारी-भरकम मंजूरी भी मिली। खेल जगत को मजबूत करने की दिशा में यह फैसला सरकार के युवा वोट बैंक पर सीधा निशाना है। राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुंगेर के प्रसिद्ध सीताकुंड मेले को राष्ट्रीय मेले का दर्जा दिया गया है। इसके अलावा छह डॉक्टरों को उनके कार्य से मुक्त कर दिया गया है, जो स्वास्थ्य विभाग में बदलाव की ओर इशारा करता है। कन्या उद्योग योजना से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में अहम कदम है। वहीं, राम मनोहर लोहिया पथ के निर्माण के लिए 675 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है, जिससे यातायात व्यवस्था और कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। बच्चों और माताओं के पोषण को ध्यान में रखते हुए आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना को भी हरी झंडी मिली है।

दम है तो पीएम कहें कि ट्रम्प झूठे : राहुल

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर दूसरे दिन बहस में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाषण दिया। राहुल ने कहा कि ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने युद्ध रुकवाया। अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं। राहुल ने कहा कि अगर पीएम मोदी में इंदिरा गांधी की तरह 50 प्रतिशत भी दम है तो कह दीजिए कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा है। प्रधानमंत्री अपनी छवि बचाने के लिए जिस तरह से सशस्त्र बलों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह देश के लिए खतरनाक है। राहुल से पहले प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि लोग सरकार के भरोसे पहलगाम गए थे, लेकिन सरकार ने उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया। पहलगाम में जब लोगों को मारा जा रहा था, तब वहां एक भी सुरक्षाकर्मी नहीं दिखा। पीएम ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय लेने आगे आ जाते हैं, जिम्मेदारी लेने क्यों नहीं आते। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 29 बार कहा कि उन्होंने भारत -पाकिस्तान सीजफायर करवाया। अगर वह झूठ बोल रहे हैं, तो प्रधानमंत्री को लोकसभा में यह बात कहनी चाहिए। अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में बोल दें कि ट्रम्प झूठ बोल रहे हैं। विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने पाकिस्तान को रोका।

बोले अमित शाह... पहलगाम आतंकी हमले के 3 दोषियों को सेना ने खोजकर मार गिराया

एजेंसी/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में आक्रोश था, जिसमें आतंकियों ने धर्म पूछकर 26 पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस जघन्य हमले के बाद भारतीय सेना और सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर ऑपरेशन शुरू किया था। इस बीच संसद में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चल रही चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि ऑपरेशन महादेव के तहत पहलगाम हमले में शामिल तीन आतंकियों को मार गिराया गया है। मारे गए आतंकियों में सुलेमानी शाह, अफगान और जिब्रान शामिल हैं। सुलेमानी शाह लश्कर-ए-तैयबा का सदस्य था और उसे हमले का मास्टरमाइंड माना जा रहा था। गृह मंत्री ने बताया कि पहलगाम में हमले के बाद सेना ने लगातार घाटी में सर्च ऑपरेशन चलाया। पुख्ता इनपुट मिलने पर सेना ने जंगलों में छिपे आतंकियों की पहले ड्रोन से पहचान की और फिर राष्ट्रीय राइफल्स और 4 पैरा यूनिट की संयुक्त टीम ने मुलनार इलाके में इन्हें टारगेट किया। शाह ने बताया कि मुठभेड़ के बाद चंडीगढ़ एफएसएल को भेजे गए कारतूसों और हथियारों की रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि यही वही गोलियां और हथियार हैं, जो पहलगाम हमले में इस्तेमाल किए गए थे, जिनमें एके-47 भी शामिल हैं। गृह मंत्री ने साफ किया कि आतंक के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर है और सरकार आतंकवाद के हर रूप का मुंहतोड़ जवाब देगी।

2 लाख करोड़ रुपए उर्वरकों पर सब्सिडी मोदी सरकार दे रही है, केसीसी लोन में की गई बढ़ोत्तरी

किराए पर खेती करने वाले किसानों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान देश में समग्र कृषि विकास की तथ्यों व आंकड़ों सहित जानकारी विस्तार से दी है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि हमने छह उपाय किए हैं। पहला सरकार ने उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। दूसरा आय बढ़ाने के लिए लागत घटे। तीसरा उत्पादन के ठीक दाम मिलें। चौथा नुकसान हो जाएं तो उसकी भरपाई करें। पांचवां कृषि का विविधीकरण, केवल एक

फसल की खेती नहीं, बल्कि फलों, फूलों, सब्जियों, औषधियों की खेती, कृषि वानिकी, मछली पालन, पशुपालन, अलग-अलग अनेकों प्रयत्न किए गए हैं। शिवराज सिंह ने कहा कि लगभग 2 लाख करोड़ रुपए उर्वरकों पर सब्सिडी मोदी सरकार दे रही है। जब यूपीए की सरकार थी, तब केसीसी और बाकी संस्थागत लोन जो मिलता था, वो सिर्फ 7 लाख करोड़ रु. था, अब 25 लाख करोड़ रु. लोन मिल रहा है। फसल बीमा योजना में एनडीए सरकार ने 35 हजार करोड़ रु. प्रीमियम के मुकाबले 1 लाख 83 हजार करोड़ रु. क्लेम किसानों के खाते में डालने का काम किया है। एनडीए सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए मैकेनाइजेशन पर सब्सिडी दे रही है। पर ड्रॉप-मोर क्रॉप पर किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर दिए जा रहे हैं। पॉलीहाउस, ग्रीनहाउस टेक्नोलॉजी, फल-सब्जियों के उत्पादन से लेकर बाकी सभी चीजों में उत्पादन बढ़ाने के प्रयास और ठीक ढंग से खरीदने के प्रयास किए जा रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की आय बढ़े, इसलिए इस सरकार ने फैसला किया कि लागत में कम से कम 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर किसानों को एमएसपी दी जाएगी। व्यापक पैमाने पर एमएसपी पर फसलों की खरीद हो रही है। यूपीए सरकार ने तो 50 प्रतिशत उत्पादन लागत पर जोड़ने से कैबिनेट बैठक में इनकार कर दिया था।

सरकार के जवाबों पर विधायक अजित कुमार सिंह का तीखा हमला कहा, जनता अब धोखा नहीं खाएगी

◆ विधायक ने सर्किट हाउस में आयोजित किया प्रेस वार्ता, कई मुद्दों पर सरकार को घेरा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सरकार से पूछे गए सवालों के जवाबों को लेकर जमकर हमला बोला है। उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मंत्रियों द्वारा दिए गए जवाब या तो भ्रामक हैं या पूरी तरह तथ्यहीन। उन्होंने कहा कि यह स्थिति दशार्ती है कि सरकार जनता के सवालों और उनके जनप्रतिनिधियों की चिंताओं को लेकर कतई गंभीर नहीं है।

विधायक ने कहा कि उन्होंने बक्सर और डुमरांव सदर अस्पतालों में आईसीयू की व्यवस्था को लेकर सवाल उठाया था। इसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने सदन में दावा किया कि बक्सर सदर अस्पताल में आईसीयू कार्यरत है। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए विधायक ने कहा कि हकीकत इसके विपरीत है, अब तक वहां आईसीयू की शुरूआत ही नहीं हो पाई है। वहीं, डुमरांव को मेडिकल कॉलेज बताकर वहां आईसीयू की योजना को ही खारिज कर दिया गया, जो सीधे तौर पर डुमरांव की जनता के स्वास्थ्य अधिकारों के साथ अन्याय है।

पेयजल संकट और जीविका घोटाले पर भी उठे सवाल

विधायक ने जिले में गंभीर होती पीने के पानी की समस्या को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जब गर्मियों में जलस्तर 10 मीटर से नीचे चला जाता है, तो नल-जल योजना पूरी तरह ठप हो जाती है। ऐसे में हर वार्ड में कम से कम पांच चापाकल लगाने की मांग उन्होंने की थी। इसके जवाब में पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने दावा किया कि जिले में नल-जल योजना सुचारू रूप से चल रही है और कहीं कोई पेयजल संकट नहीं है। इस पर विधायक ने विरोध जताते हुए कहा कि उन्हें रोजाना जिले भर से लोगों की शिकायतें मिलती हैं, जहां पेयजल की भारी किल्लत है। उन्होंने मंत्री के जवाब को जमीनी हकीकत से परे और सिर्फ. कागजी बताया। इतना ही नहीं, विधायक ने कोरोना काल के दौरान अटांव पंचायत में हरियाली सीएफ योजना के तहत 25 लाख रुपये की कथित अनियमितता का मामला भी विधानसभा में उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इस मामले में केवल बैंक मित्र खुशबू कुमारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर अपनी जिम्मेदारी खत्म मान ली, जबकि तत्कालीन बीपीएम, डीपीएम और सीसी की भूमिका भी उतनी ही संदिग्ध है। उन्होंने सभी आरोपित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई और स्वतंत्र जांच की मांग की।

जनता अब जाग चुकी है : विधायक

विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने सरकार पर जनता को धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी ओर से उठाए गए हर सवाल का सरकार ने या तो गोलमोल जवाब दिया या मुद्दे से भटकाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि सरकार जानबूझकर जनता की समस्याओं पर पर्दा डाल रही है और सच्चाई को छुपा रही है। लेकिन अब जनता सब समझ चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगली बार यही जागरूक जनता इस दिखावटी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेगी।

युवक के साथ मारपीट, एक नामजद आरोपी गिरफ्तार

● युवक के साथ मारपीट, एक नामजद आरोपी गिरफ्तार

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय गांव में आपसी विवाद को लेकर एक व्यक्ति के साथ मारपीट की गई। इस घटना में लालजी बैठा घायल हो गए। उन्होंने नावानगर थाने में रुस्तम मियां, रउफ मियां समेत पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित लालजी बैठा का आरोप है कि आरोपियों ने पहले उन्हें लाठी-डंडे से मारा-पीटा। इसके बाद जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की गई। घटना के बाद उन्होंने थाने में लिखित आवेदन दिया, जिस पर पुलिस ने तत्परता दिखाई और तत्काल कार्रवाई करते हुए एक आरोपी रुस्तम मियां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। हालांकि पुलिस की निगरानी में शांति कायम है। पीड़ित का प्राथमिक उपचार स्थानीय स्तर पर कराया गया है।

संदेहास्पद स्थिति में विवाहिता की मौत, अस्पताल में मायके वालों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

◆ शव को कब्जे में ले जांच में जुटी पुलिस, बोले ससुराल वाले घरेलु विवाद में खा लिया था जहर

केटी न्यूज/डुमरांव

एक नवविवाहिता की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल में आए उसके मायके वालों ने हंगामा करते हुए ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए अपनी बेटी की हत्या किए जाने का आरोप लगाया। घटना पुराना भोजपुर डुमरांव पथ स्थित संतजोसफ गर्ल्स हाई स्कूल के ठीक सामने स्थित एक निजी क्लीनिक का है।

इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में ले घटना की जानकारी चक्की थाने को दी है।

मिली जानकारी के अनुसार नैनीजोर के लालू डेरा गांव निवासी

रामचंद्र यादव की पुत्री नैना कुमारी की शादी वर्ष 2022 में चक्की थाना क्षेत्र के हेमदापुर गांव निवासी सनोज यादव के साथ हुई थी। दांपत्य जीवन में दोनों को नौ माह का एक पुत्र भी है। ससुराल वालों का कहना है कि घरेलु विवाद में सोमवार की देर शाम नैना ने जहर खा लिया था। जिसके बाद हमलोग इलाज के लिए लेकर पुराना भोजपुर स्थित शुषमा अस्पताल में आए थे तथा उसके मायके वालों को इस घटना की जानकारी दिए। मायके वाले जब यहां पहुंचे तबतक उसकी सांस चल रही थी, लेकिन कुछ देर के बाद इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गई।

इधर मृतका के मायके वालों का कहना है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज के लिए मेरी बेटी को प्रताड़ित कर रहे थे। इसी प्रताड़ना में साजिश के तहत उसकी हत्या की गई है।

बहरहाल, नया भोजपुर पुलिस की सूचना पर पहुंची चक्की थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजी है। नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि मामाल चक्की थाना क्षेत्र का है। शव को चक्की थाने से आई पुलिस टीम को सुपुर्द कर दिया गया।

वहीं, चक्की थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेजा गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक इस मामले में मायके वालों ने किसी तरह की शिकायत नहीं की है। वैसे पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है।

बक्सर में आयोजित हुआ बिहार आइडिया फेस्टिवल युवाओं में दिखा स्टार्टअप को लेकर उत्साह

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले के राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में मंगलवार को बिहार आइडिया फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य राज्य में एक सशक्त स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार करना और नवाचार को प्रोत्साहन देना है। यह फेस्टिवल उद्योग विभाग बिहार सरकार एवं योर स्टोरी मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त प्रयास से पूरे राज्य में तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है। फेस्टिवल के पहले चरण का आयोजन 24 से 29 जुलाई तक जिला स्तर पर, दूसरा चरण एक से आठ अगस्त तक प्रमंडल स्तर पर तथा तीसरे चरण में अगस्त माह के चौथे सप्ताह में राज्य स्तरीय मेगा इवेंट का आयोजन प्रस्तावित है। राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, फैकल्टी सदस्यों, स्टार्टअप फाउंडर्स और जीविका से जुड़ी महिलाओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम में स्टार्टअप बिहार योजना के तहत

चयनित प्रतिभागियों को कई लाभ दिए जाने की जानकारी दी गई, जिनमें 10 लाख के सीड फंड की पिचिंग राउंड में सीधी भागीदारी, 3 लाख रुपये मूल्य का एक्सेलेरेशन प्रोग्राम, उद्योग विभाग द्वारा प्रायोजित पाठ्यक्रमों में प्रवेश, अनुभवी विशेषज्ञों से मेंटरशिप, सरकारी सहायता एवं सस्ती दर पर ऑफिस स्पेस शामिल हैं। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य ने मुख्यमंत्री स्टार्टअप योजना को युवाओं के लिए स्वर्णिम अवसर बताया और छात्रों से अधिक से अधिक संख्या में अपने आइडिया पंजीकृत कराने का आग्रह किया। कार्यक्रम में वेस्ट मैनेजमेंट स्टार्टअप के फाउंडर विवेक कुमार, प्रशांत गौतम और बेरोपोनिक प्रा. लि. के संस्थापक नीरज कुमार साहू ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बिहार सरकार की स्टार्टअप नीति के तहत मिले लाभों की जानकारी दी और छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिला उद्योग केन्द्र बक्सर की परियोजना प्रबंधक ज्योत्सना वर्मा ने प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम का लाभ उठाने का आग्रह किया।

एक नजर

सिकरौल थाना में रवींद्र सिंह को दी गई विदाई

केटी न्यूज/नावानगर

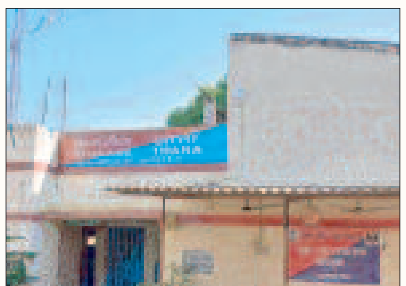

सिकरौल थाना में मंगलवार को एसआई सह एडिशनल एसएचओ रवींद्र सिंह के स्थानांतरण पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। उनका स्थानांतरण गया जिले में हुआ है। इस मौके पर थाना के पुलिसकर्मियों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। विदाई के दौरान माहौल भावुक हो गया। रवींद्र सिंह ने सभी के सहयोग के लिए आभार जताया। कार्यक्रम में मुखिया प्रतिनिधि, समिति सदस्य, समाजसेवी सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे। वक्ताओं ने उनके अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मारपीट का आरोपित गिरफ्तार, जेल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव पुलिस ने थाना क्षेत्र के नेनुआ गांव से मारपीट मामले में फरार चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। गिरफ्तार अमन तिवारी पिता स्व. अनिल तिवारी पर उसके चाचा ने जानलेवा हमला करने का आरोप लगा डुमरांव थाने में एफआईआर दर्ज कराया था। डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष मतेन्द्र कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपित के खिलाफ न्यायालय ने वारंट जारी किया था, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। उन्होंने कहा कि मामला घरेलु विवाद का था, जिसमें उसने अपने चाचा पर जानलेवा हमला कर दिया था। प्रभारी थानाध्यक्ष ने कहा कि किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव को लेकर बक्सर में एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू, अब तक 899 बालिकाएं टीकाकृत

केटी न्यूज/बक्सर

महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए बक्सर जिले में एक बड़ा कदम उठाया गया है। स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से जिले के सभी प्रखंडों के चुनिंदा 10 विद्यालयों में 9 से 14 वर्ष की उम्र की बालिकाओं को ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) का टीका लगाया जा रहा है। अब तक 899 बालिकाओं को पहली खुराक दी जा चुकी है। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. वीपी सिंह ने बताया कि एचपीवी टीका सर्वाइकल कैंसर के 90 प्रतिशत मामलों से बचाव में कारगर है। इसके अलावा यह वायरस से संबंधित अन्य बीमारियों जैसे ओरल कैंसर, पेनाइल कैंसर और गुदा कैंसर से भी बचाव करता है। उन्होंने बताया कि यह वायरस मुख्य रूप से यौन संपर्क से फैलता है और समय रहते टीकाकरण कराना ही इसका सबसे कारगर बचाव है।

डॉ. सिंह ने बताया कि जिन बच्चियों की उम्र 14 वर्ष के करीब है, उनके लिए विशेष काउंसलिंग की जा रही है। क्योंकि 15 साल के बाद यह टीका उतना प्रभावी नहीं होता। इस लिहाज से अभियान के तहत बालिकाओं की उम्र सीमा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

राज्य सरकार एवं स्वास्थ्य समिति द्वारा इस अभियान को सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में चलाया जा रहा है। इसके लिए शिक्षा विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए कार्य योजना तैयार की गई है। सभी विद्यालयों में प्रशिक्षित चिकित्सकों की निगरानी में टीकाकरण कराया जा रहा है। साथ ही, अभियान को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए यूनिसेफ की मदद ली जा रही है। डॉ. विनोद सिंह ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में एचपीवी संक्रमण के कारण कैंसर के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। एक अध्ययन के अनुसार, ओरल कैंसर के 70 प्रतिशत मामलों के लिए एचपीवी जिम्मेदार है। ऐसे में टीकाकरण अभियान समय की जरूरत है और इससे भविष्य में हजारों बालिकाओं को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है।

जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से यह भी अपील की गई है कि माता-पिता अपनी 9 से 14 वर्ष की बेटियों को समय पर टीका दिलवाएं और जागरूकता फैलाने में सहयोग करें। क्योंकि यह एक ऐसा कदम है, जिससे बच्चियों को भविष्य में गंभीर बीमारी से बचाया जा सकता है।

उन्होंने अंत में कहा, ह्हमारा कर्तव्य है कि हम जनता की आवाज बनें और सदन में उनके हितों की रक्षा करें। अगर सरकार जिम्मेदारी से भागेगी, तो जनता जवाब देना जानती है।

कंपनियों के द्वारा भूमिगत केबल का तार बिछाए जाने से फट रहे हैं जलापूर्ति के पाइप

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर में विभिन्न कंपनियों के भूमिगत केबल बिछाए जा रहे हैं। केबल बिछाने के को लेकर गड्ढे की खोदाई की जा रही है। खोदाई के दौरान बिछाए गए भूमिगत पाइप छतिग्रस्त हो रहे हैं, जिससे हजारों लीटर पानी की बर्बादी प्रतिदिन हो रही है। मंगलवार को नगर के गोशाला रोड, बड़ी मस्जिद केबल बिछाने के क्रम में जलापूर्ति का पाइप फट गया, जिससे हजारों लीटर पानी बबार्दी विगत एक माह से हो रही है, बावजूद नप इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फटे पाइप से गंदा पानी भी प्रवेश कर जाता है। जब जलापूर्ति शुरू होता है तो आधे घंटे तक गंदा पानी गिरता है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ० वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ० अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, टेलवाणी मोड़, डुमरांव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

स्वतंत्रता दिवस को लेकर बक्सर में तैयारियों का जायजा, डीसी ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

15 अगस्त को किला मैदान में आयोजित होगा मुख्य समारोह

◆ 16 अगस्त को डुमरांव में मनेगा शहीद दिवस

केटी न्यूज/बक्सर

स्वतंत्रता दिवस 2025 के भव्य आयोजन को लेकर मंगलवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने की। बैठक में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला स्तर से लेकर अनुमंडल स्तर तक की तैयारियों की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में उपस्थित जिला एवं अनुमंडल स्तरीय पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं शांति समिति के सदस्यों ने स्वतंत्रता दिवस के आयोजन से जुड़े सुझाव दिए। जिलाधिकारी ने सभी की बातों को गंभीरता से सुना और आयोजन को सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय बनाने पर बल दिया।

ऐतिहासिक किला मैदान में होगा मुख्य समारोह

डॉ. सिंह ने बताया कि 15 अगस्त को मुख्य समारोह का आयोजन ऐतिहासिक किला मैदान में होगा, जबकि 16 अगस्त को शहीद दिवस के रूप में डुमरांव के शहीद पार्क में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। किला मैदान में झंडोत्तोलन के पश्चात शहीद स्मारक तथा कवलदह स्थित कारगिल शहीद स्थल पर माल्यार्पण किया जाएगा। इसके बाद पुलिस लाइन में झंडोत्तोलन कर कार्यक्रम संपन्न होगा। हर साल की तरह इस बार भी जिला एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारी एक-एक अनुसूचित जाति बस्ती में जाकर झंडोत्तोलन करेंगे, जिससे समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके लिए जिला कल्याण पदाधिकारी को महादलित टोलों की सूची उपलब्ध कराने को कहा गया है।

16 अगस्त को डुमरांव में मनाया जाएगा शहीद दिवस

जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव को विशेष रूप से 16 अगस्त को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो और जनमानस को प्रेरित करने वाला होना चाहिए।इसके अतिरिक्त, सभी जिला एवं प्रखंड स्तरीय कार्यालयों में झंडोत्तोलन की तैयारी के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक कार्यालय अपने यहां झंडोत्तोलन स्थल निर्धारित करे और जिम्मेदार कर्मी को झंडोत्तोलन की जिम्मेवारी सौंपी जाए।

संक्षिप्त समाचार

वन भूमि बेचने वाले आरोपियों से ईडी ने फिर की पूछताछ, इस कंपनी को बेची गई थी 107 एकड़ जमीन

रांची, एजेंसी। बोकारो के तेतुलिया मौजा की 107 एकड़ वन भूमि घोटाले की मनी लॉड्रिंग के तहत जांच कर रही ईडी ने सोमवार को भी दो आरोपियों इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन से पूछताछ की ।दोनों आरोपियों पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर विवादित जमीन बेचने का आरोप है। यह दूसरी बार है, जब ईडी ने रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में इनसे पूछताछ की है ।इन आरोपियों को सीआईडी ने अपने मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। तब से ये न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद ही दोनों से जेल में पूछताछ की है। आरोपियों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उमायुष कंपनी को वन भूमि बेचने का आरोप है। ईडी ने इनसे फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले इनके सहयोगियों के बारे में भी पूछताछ की है। इनसे यह भी पूछा गया है कि इस फर्जीवाड़े के लिए किसने फंडिंग की। जानकारी के अनुसार, पूछताछ में ईडी को कोई खास सफलता नहीं मिली है।

सहायक आचार्य के 26001 पदों का रिजल्ट 14 अगस्त तक दें: सुप्रीम कोर्ट

रांची, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड में सहायक आचार्य के 26,001 पदों पर नियुक्ति में देरी को लेकर दाखिल अवमानना याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। शीर्ष कोर्ट ने अब तक सभी विषयों का रिजल्ट जारी नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जताई और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) को 14 अगस्त तक सभी श्रेणियों के पदों का परिणाम जारी करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समयसीमा तक रिजल्ट जारी नहीं हुआ, तो 18 अगस्त को राज्य के मुख्य सचिव, जेएसएससी अधिकारी, शिक्षा सचिव और उप सचिव को अदालत में उपस्थित होना होगा। प्रार्थी परिमल कुमार और अन्य की ओर से वकील गोपाल शंकर नारायणन व अमृतांश वत्स ने बताया कि कक्षा 6 से 8 के लिए गणित और विज्ञान में 5008 पदों के विरुद्ध सिर्फ 1661 अभ्यर्थियों का परिणाम जारी हुआ है। जबकि, दस्तावेज सत्यापन में 2734 अभ्यर्थी बुलाए गए थे।

रांची सदर बना देश का नंबर-1 अस्पताल, मिला 50 लाख का सम्मान

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सोमवार को नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान के प्रेक्षागृह में कायाकल्प, एनक्वास, लक्ष्य और और मुस्कान जैसे महत्वपूर्ण गुणवत्ता मापदंडों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को सम्मानित किया। 744 संस्थानों को प्रतिष्ठित गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। रांची सदर अस्पताल को कायाकल्प श्रेणी में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ और 50 लाख रुपये का पुरस्कार मिला। इको-फ्रेंडली जिला अस्पताल की श्रेणी में भी रांची सदर को प्रथम पुरस्कार मिला और 10 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। सीएचसी ओरमांझी को इको-फ्रेंडली सीएचसी श्रेणी में सम्मानित किया गया। सदर अस्पताल सिमडेगा को एनक्वास एवं लक्ष्य सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ। इस मौके पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सबताया कि राज्य में 6 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित हो रहे हैं, जिनमें एक उनके गृह जिले जामताड़ा में भी होगा। हाल ही में 126 विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अवसर पर खिजरी विधायक राजेश कच्छप, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ. इरफान अंसारी ने रिम्स-2 की स्थापना को समयबद्ध रूप से पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने राज्य में पहली बार रोबोटिक टेक्नोलॉजी से इलाज की सुविधा जल्द शुरू होने की बात भी कही। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों ने विजेता संस्थानों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान सिर्फ उपलब्धि नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि सभी जिला अस्पतालों को चार-चार नए एंबुलेंस दिए जाएंगे जिससे मरीजों के आवागमन में क्रांतिकारी सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के दुर्गम और पहाड़ी इलाकों में मरीजों को खाट या मचिया पर अस्पताल लाने की मजबूरी अब खत्म होने जा रही है। मंत्री ने 15,000 स्ट्रेचर जल्द से जल्द गांव स्तर तक उपलब्ध कराए जाने का निर्देश दिया।

झारखंड में दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्रों के मरीज के लिए स्ट्रेचर की सुविधा,

सभी जिला अस्पतालों को 4-4 नई एंबुलेंस की सौगात

रांची, एजेंसी। झारखंड के दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्र में भी स्ट्रेचर के साथ एंबुलेंस की सुविधा स्वास्थ्य विभाग देने जा रहा है. राज्य सरकार इसके लिए करीब 15 हजार स्ट्रेचर खरीदने जा रही है. इसकी घोषणा खुद स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने स्वास्थ्य विभाग के आयोजित कार्यक्रम के दौरान की.

सभी जिला अस्पतालों को 4-4 नए एंबुलेंस की सौगात

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने कहा कि स्ट्रेचर को गांव में प्रधान को सौंपा जाएगा और मरीजों को लाने के लिए आवश्यकता पड़ने पर युवकों को सरकार पैसा भी मुहैया कराएगी. इसके साथ ही स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने सभी जिला अस्पतालों को चार-चार नई एंबुलेंस देने की घोषणा की. ताकि मरीजों को परेशानी ना हो.

इको फ्रेंडली के लिए अलग से सम्मानित रांची जिला अस्पताल : रांची जिला अस्पताल को कायाकल्प पुरस्कार से सम्मानित करते हुए 50 लाख का चेक और प्रशस्ति पत्र के साथ मेडल प्रदान किया गया. रांची जिला अस्पताल को इको फ्रेंडली के लिए अलग से 10 लाख का चेक प्रदान किया गया और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. इसके अलावा ओरमांझी को भी कायाकल्प पुरस्कार से सम्मानित करते हुए 15 लाख का चेक और प्रशस्ति पत्र के साथ मेडल दिया गया.

380 आयुष्मान आरोग्य मंदिर को कायाकल्प प्रमाण पत्र : इस मौके पर जरमुंडी को लक्ष्य पुरस्कार प्रदान करते हुए 10 लाख का चेक प्रदान किया गया. गौरतलब है कि इस साल कायाकल्प, एनक्वास, लक्ष्य और मुस्कान योजनाओं के तहत 744 स्वास्थ्य संस्थानों को प्रमाण पत्र दिया गया है. इसके साथ ही 272 संस्थानों को एनक्वास सर्टिफिकेट मिला है. इसके अलावा 11 सदर अस्पताल, 31 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 48 शहरी/प्राथमिक केंद्र और 380 आयुष्मान आरोग्य मंदिर को कायाकल्प प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है. इस मौके पर रांची और रामगढ़ सदर अस्पताल को मुस्कान प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया है.

स्वास्थ्य विभाग को सुधारकर रहूंगा: मंत्री इरफान अंसारी : सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने कहा कि जब तक झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को, जनता के अनुकूल और सशक्त नहीं बना देता, तब तक मैं, शांति से बैठने वाला नहीं. स्वास्थ्य मंत्री ने रिम्स-2 की स्थापना को समयबद्ध रूप से पूरा करने की बात कहते हुए बताया कि झारखंड में पहली बार रोबोटिक टेक्नोलॉजी से इलाज की सुविधा जल्द शुरू होगी.

सभी अस्पतालों को मानक के अनुसार लाना अब भी बड़ी चुनौती: अपर मुख्य सचिव : वहीं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि 2026 तक हमें सभी अस्पतालों को यह मानक के अनुसार लाना है, जो एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि पिछले 10 सालों में अब तक आधे सरकारी अस्पतालों को हम सर्टिफिकेट दे पाए हैं. 50 फीसदी शेष बचे अस्पतालों को एक साल के अंदर में मानक तक पहुंचना है, इसमें विभाग के साथ-साथ निचले स्तर के स्वास्थ्य विभाग के कर्मी को लगना होगा.

रांची जिला अस्पताल को मिला कायाकल्प पुरस्कार : झारखंड में कई सरकारी अस्पतालों को बेहतर प्रबंधन और स्वास्थ्य सुविधा के लिए सम्मानित किया गया. नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान के प्रेक्षागृह में आयोजित सम्मान समारोह का शुभारंभ मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया. इस अवसर पर खिजरी विधायक राजेश कच्छप, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, मेडिकल कॉर्पोरेशन के एमडी अबु इमरान, डॉ. सिद्धार्थ सान्याल समेत बड़ी संख्या में अधिकारी, प्रतिभागी और स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे. इस अवसर पर खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने डॉक्टरों और कर्मियों के मनोबल को बढ़ाने की आवश्यकता बताई और अनुबंध कर्मियों की गृह जिला पोस्टिंग का मुद्दा उठाया.

केंद्रीय मंत्री संजय सेठ को धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार, धनबाद स्टेशन से पुलिस ने पकड़ा

रांची, एजेंसी। सुखदेव नगर इलाके में रहने वाले केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को जान से मारने की धमकी देने के मामले में पंडरा ओपी में 26 जुलाई को एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

संजय सेठ एक कार्यक्रम में थे तब उनको धमकी दी गई थी। इस मामले में कांड का खुलासा करने के लिए एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने एक टीम का गठन किया था।

पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए धनबाद रेलवे स्टेशन से आरोपित नित्यानंद पाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसएसपी ने बताया कि 26 जुलाई को मंत्री संजय सेठ के व्यक्तिगत मोबाइल पर दो अज्ञात मोबाइल नंबरों से मैसेज और फोन के माध्यम से जान से मारने की धमकी दी गई थी।

पुलिस ने तकनीकी निगरानी और मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर आरोपित की पहचान नित्यानन्द पाल के रूप में हुई। आरोपित मूल रूप से बांगा बाजार, नारायणपुर, थाना पिंड्राजोरा बोकारो का निवासी है। आरोपित अभी धनबाद में हरिहरपुर में रहता था।

आरोपित धनबाद रेलवे स्टेशन से गिरफ्त में आने के बाद कहा कि उसके द्वारा संजय सेठ को फोन किया गया था। जिन नंबरों से फोन किया गया था पुलिस ने वह सिम कार्ड और मोबाइल बरामद कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपित नित्यानंद पाल ने बताया कि वह पहले भी प्रभावशाली व्यक्तियों को धमकी देकर पैसे वसूलने का काम करता रहा है। नित्यानन्द पाल के विरुद्ध पहले भी पिंड्राजोरा थाना केस दर्ज है। आरोपित इंटरनेट से या अन्य तरीकों से लोगों का नंबर लेता है और फोन करता है। पुलिस इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित ने किन-किन लोगों को अभी तक धमकी दे चुका है।

विवि में एक व्यक्ति, एक पद का सख्ती से पालन हो : गवर्नर

रांची, एजेंसी। राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक सुधार की दिशा में कड़ा संदेश देते हुए एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। साथ ही नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर (लेक्चरर) का एक कॉलेज से दूसरे कॉलेज में तबादले पर भी रोक लगा दी गई है।

राज्यपाल ने यह निर्देश सोमवार को राजभवन में आरयू, डीएसपीएमयू समेत आठ विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में अवर मुख्य सचिव नितिन मदन कुलकर्णी, आरयू के वीसी प्रो. दिनेश कुमार सिंह, डीएसपीएमयू के वीसी अंजनी कुमार मिश्र समेत अन्य विश्वविद्यालयों के वीसी मौजूद थे।

राज्यपाल ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को विश्वविद्यालय में एक से अधिक पदों पर कार्य करने की अनुमति नहीं होगी। यह पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए

जरूरी है। लेकिन आरयू-डीएसपीएमयू में कई अधिकारी एक साथ कई पदों पर कार्यरत हैं। आरयू के सीसीडीसी डॉ. पीके झा एचओडी भी हैं, और परीक्षा नियंत्रक संजय कुमार सिंह राजनीति विज्ञान विभाग के एचओडी भी हैं।

क्षमता अनुसार नामांकन लें विश्वविद्यालयः विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी आधारभूत संरचना की क्षमता के अनुसार ही छात्रों का नामांकन लें, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता न हो। कई प्रोफेशनल कोर्स में छात्रों की संख्या क्षमता से अधिक है, जिससे पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

परीक्षा खत्म होने के एक माह के भीतर रिजल्ट दें : विश्वविद्यालयों को परीक्षा खत्म होने के एक महीने के भीतर रिजल्ट जारी करने का आदेश दिया गया है। यह कदम छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, ताकि उन्हें आगे की पढ़ाई और नौकरी के अवसर समय पर मिल सकें।

बिना रुचि वाले वोकेशनल कोर्स होंगे बंदः राज्यपाल ने निर्देश दिया कि ऐसे वोकेशनल कोर्स जिन्हें छात्रों द्वारा पसंद नहीं किया जा रहा, उन्हें तत्काल बंद किया जाए। शिक्षा की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय जरूरी है।

नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर के तबादले पर रोक होगी : राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर जहां नियुक्त हुए हैं, वहीं काम करेंगे। तबादले पर पूरी तरह रोक है। कई मामलों में देखा गया है कि राजधानी से ग्रामीण क्षेत्र में ट्रांसफर होने पर शिक्षकों ने नौकरी छोड़ दी।

सीएसआर में ओडिशा को 448, छग को 232 व झारखंड को 54 करोड़ ही मिले

रांची, एजेंसी। केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम की कंपनियां अपना सीएसआर फंड खर्च करने में झारखंड के साथ न्याय नहीं कर रही हैं। भारत सरकार की 63 कंपनियों ने कुल मिलाकर सालभर में 2721 करोड़ 69 लाख रुपए खर्च किए। इनमें झारखंड के पड़ोसी राज्य ओडिशा में 447 करोड़ 61 लाख रुपए खर्च किए गए। छत्तीसगढ़ में सीएसआर फंड के 232 करोड़ 46 लाख रुपए खर्च हुए। वहीं झारखंड में इन कंपनियों ने सालभर में केवल 54 करोड़ 38 लाख रुपए ही खर्च किए।

21 जुलाई को नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक यानी सीएजी की ओर से संसद में पेश की गई रिपोर्ट से इसका खुलासा हुआ है। सीएजी ने यह रिपोर्ट 2021-22 में कंपनियों की ओर से सीएसआर फंड के तहत किए खर्च के आधार पर तैयार की है। कंपनियों को तीन साल के औसत शुद्ध लाभ की 2त्न राशि सीएसआर फंड पर खर्च करनी होती है।

झारखंड की तुलना छत्तीसगढ़ और ओडिशा से करें तो सीएसआर फंड में भेदभाव हो रहा है। दोनों राज्य उद्योग-धंधों, संसाधन, भौगोलिक स्थिति और केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों की मौजूदगी के मामले में झारखंड की तरह ही है। रिपोर्ट में भारत सरकार की 63 कंपनियों के सीएसआर फंड में झारखंड की हकमारी तक ही सीमित नहीं है। जिन कंपनियों की परियोजनाओं का अधिकतर हिस्सा झारखंड में संचालित है, उन्होंने भी झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार किया है।

सीसीएल ने उसी अवधि में सीएसआर के तहत कुल 2481 करोड़ 68 लाख रुपए खर्च किए हैं, जबकि झारखंड को सभी केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम मिलाकर सीएसआर फंड के तहत केवल 54 करोड़ 38 लाख रुपए मिले हैं। इसी तरह कोल इंडिया लिमिटेड ने 7,764 करोड़ 38 लाख रुपए खर्च किए। सीसीएल के अलावा भारत कोकिंग कोल लिमिटेड यानी बीसीसीएल का भी अधिकतर काम झारखंड में ही है।

क्या है सीएसआर का नियम

कंपनी कानून की धारा 135(5) के तहत किसी कंपनी के लिए पिछले 3 वित्तीय वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का कम से कम 2 प्रतिशत वार्षिक सीएसआर गतिविधियों पर खर्च करना अनिवार्य है। कंपनियां अपने सीएसआर फंड को गैर स्थानीय क्षेत्रों में मोड़ सकती हैं।

रामगढ़ की बेटी चंद्रज्योति ने छुक्कस्ष्ट में लहराया परचम, बनीं डिप्टी कलेक्टर

रामगढ़, एजेंसी। शहर के गोला रोड बाजार समिति के समक्ष की रहने वाली चंद्र ज्योति उपाध्याय, पिता डॉ. सीएम. उपाध्याय ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 11 वीं से 13वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में 70 वीं रैंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है।

रामगढ़ की बिटिया चंद्रज्योति ने झारखंड प्रशासनिक सेवा में डिप्टी कलेक्टर पद के लिए चयनित होकर पूरे जिले, समाज और परिवार को गौरवान्वित किया है। चंद्र ज्योति ने यह परीक्षा अपने पहले ही प्रयास में उत्तीर्ण किया और 70 वीं रैंक प्राप्त किया। यह सफलता उन्होंने हजारीबाग में रहकर सेल्फ स्टडी के माध्यम से प्राप्त किया है।

उन्होंने बिना किसी कोचिंग या निजी शिक्षण (ट्यूशन) के यह उपलब्धि केवल अपने कठिन परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास के बलबूते हासिल किया है।

उनकी इस अभूतपूर्व सफलता से स्वजनों सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष, उत्साह और गर्व का माहौल है। परिणाम घोषित होते ही स्वजनों, मित्रों, शुभचिंतकों और दूर-दराज के लोगों द्वारा फोन व सामाजिक माध्यमों से बधाईयों का सिलसिला लगातार जारी है।

उनके पिता डॉ. सीएम. उपाध्याय, जो स्वयं

एक प्रतिष्ठित चिकित्सक हैं, उन्होंने कहा कि चंद्र ज्योति बचपन से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर, आत्म अनुशासित और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रही हैं। उन्होंने कहा कि बेटी की यह सफलता उन सभी छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने लक्ष्य को लेकर प्रतिबद्ध रहती हैं।

चंद्रज्योति की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि मन में मजबूत इच्छाशक्ति, आत्मनिर्भरता और निरंतर मेहनत हो, तो किसी भी सपने को साकार किया जा सकता है।

पलामू में दो अफीम तस्करों को 15-15 साल का सश्रम कारावास, 1.5 लाख का जुर्माना भी लगा

पलामू, एजेंसी। पलामू कोर्ट ने दो अफीम तस्करों को 15-15 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. साथ ही दोनों पर डेढ़-डेढ़ लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है. जुर्माने की राशि नहीं देने पर एक-एक वर्ष की अतिरिक्त कारावास की सजा होगी. पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने इसकी पुष्टि की है.

सजा पाने वाला पहला अभियुक्त प्रदीप साव पलामू के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के बड़ा गांव का रहने वाला है. जबकि दूसरा अभियुक्त गणेश सिंह मनातू थाना क्षेत्र के अप्टी का रहने वाला है.

लगे. इसी क्रम में दो व्यक्ति पकड़ा गया. दोनों व्यक्ति के पास से दो केन पाया गया, जिसे खोलकर देखा गया तो उसमें चिपचिपा एवं तरल पदार्थ था, जो अफीम निकला.

सोमवार को पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश

वित्त मंत्री और पर्यटन मंत्री ग्लोबल टाइगर डे पर करेंगे कई योजनाओं का शुभारंभ

पलामू, एजेंसी। झारखंड के अलावा सात राज्यों में हाथी और मनुष्य के संघर्ष को कम करने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया गया है. इस एक्शन प्लान को वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट, वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड और झारखंड सरकार के द्वारा मिलकर तैयार किया गया है. इस एक्शन प्लान को 12 अगस्त यानी एलीफैंट डे पर जारी किया जाएगा.

सीएम हेमंत सोरेन जारी करेंगे योजना : दरअसल, ग्लोबल टाइगर डे को लेकर सोमवार को पलामू टाइगर रिजर्व की तरफ से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया. प्रेस कॉन्फ्रेंस में पलामू टाइगर रिजर्व के निदेशक एसआर नटेश, उपनिदेशक कुमार आशीष और प्रजेशकांत जेना मौजूद रहे. इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों की तरफ से हाथी और मानव के संघर्ष

20 गांव को विस्थापन करने की योजना : पलाम टाइगर रिजर्व की तरफ से बताया गया कि

आबादी विस्थापित हुई है.

वहीं. सात गांव मंडल डैम डब क्षेत्र से जडे हए

पीटीआर से बाहर शुरू होगी टाइगर सफारी : पलामू टाइगर रिजर्व से बाहर टाइगर सफारी शुरू करने की योजना है. यह टाइगर सफारी बरवाडीह के इलाके में बनाया जाएगा, जिसका डीपीआर तैयार किया जा रहा है. पलामू टाइगर रिजर्व में मौजूद सुरक्षाबलों के पिकेट को लेकर सरकार निर्णय लेगी. कई पिकेट कम किए गए हैं. सरकार सुरक्षा का ध्यान रखकर इस संबंध में निर्णय लेगी.

मंत्री शुरू करेंगे स्मार्ट क्लास : ग्लोबल टाइगर डे पर झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और पर्यटन मंत्री सुदिव्य सोनू मंगलवार को स्मार्ट क्लास की शुरुआत करेंगे. स्मार्ट क्लास पलामू टाइगर रिजर्व से विस्थापित होने वाले ग्रामीण बच्चों के लिए पलामू के पोलपोल में किया जाएगा. वहीं. बेतला नेशनल

सुभाषितम्

शुरुआत करने का तरीका है, कि बातें बंद करें और काम शुरू करें। - वाल्ट डिज्नी

नागरिकता अब जन्म से नहीं सरकार की कृपा से

भारतीय लोकतंत्र में नागरिकता सिर्फ एक कानूनी दर्जा नहीं है। एक पहचान है, जो व्यक्ति को संविधान प्रदत्त अधिकारों, जिम्मेदारियों और गरिमा से जोड़ती है। जब यह अधिकार सरकार की मनमर्जी पर टिक जाए। अदालतें भी अलग-अलग राय देने लगें। तब सवाल उठता है, इस देश में जन्म लेने और नागरिकता के लिए सरकार के भरोसे रहना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस मदन बी. लोकुर की पुस्तक समीक्षा में इस संकट की तस्वीर सामने आई है। जो हमें सोचने को मजबूर करती है, भारतीय नागरिकता अब सरकार की दयाह्र पर निर्भर होगी। जस्टिस लोकुर ने अपनी किताब में असम एनआरसी, विदेशी ट्रिब्यूनल्स और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) जैसे मुद्दों पर गहराई से मंथन किया है। उनका तर्क है, नागरिकता जैसे मौलिक अधिकार को तय करने की कोई ठोस, पारदर्शी और समान मानक नहीं हैं। न्यायपालिका परस्पर विरोधी निर्णय दे रही है। यह स्थिति संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों और लोकतंत्र की आत्मा के लिए बड़ा घातक है। एक ही प्रकार के मामले में गुवाहाटी हाईकोर्ट ने नागरिक को विदेशी ठहरा दिया। सुप्रीम कोर्ट में उन्हीं तथ्यों पर उसे ह्यभारतीयह्र माना। ऐसे में यह सवाल जरूरी हो जाता है, क्या नागरिकता अब कोई ठोस संवैधानिक अधिकार है। अथवा सरकारों की मनमर्जी का औजार बन गया है। न्यायमूर्ति की पुस्तक में स्पष्ट संकेत है, राज्य अब नागरिक के प्रति जवाबदेही के स्थान पर नागरिक से ही प्रमाण मांग रहा है। निर्धन किसान, महिला, गरीब परिवार जो झुग्गी झोपड़ी में रहते हैं, बिना पढ़े लिखे हैं। एक बाढ़ में सब कुछ खो देते हैं। नागरिकता साबित करने के लिए सरकारी दस्तावेज एवं प्रमाण जुटाने के लिए दर-दर भटकता फिर रहा है। यह प्रशासनिक ही नहीं, नैतिक रूप से संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक विफलता है। नागरिकता की यह राजनीति सरकारी हिंसा है। जिसमें एक वर्ग को संदिग्ध, अवैध और ह्यअन्यह्र के रूप में चिह्नित कर प्रताड़ित किया जा रहा है। जस्टिस लोकुर ने अपनी पुस्तक में जिस तरह की चिंता व्यक्त की है। भारत में नागरिकता से जुड़े कानून जैसे नागरिकता अधिनियम, 1955 पुरानी पड़ चुकी है। राजनीतिक उद्देश्य साधने के लिए कानून की मनमाफिक व्याख्या की जा रही है। सीएए 2019 मे विशेष रूप से धर्म के आधार पर नागरिकता देने की बात करता है। यह संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता पर सीधा प्रहार है। इससे न सिर्फ मुसलमानों और अल्प संख्यकों की नागरिकता को लेकर डर फैला है। नागरिकता की धारणा भी धार्मिक पहचान में सिमट गई है। विभिन्न न्यायालयों में 1500 से अधिक नागरिकता के प्रकरणों में अलग-अलग निर्णय आए हैं। यह सभी निर्णय एक दूसरे के खिलाफ हैं। न्यायपालिका को नागरिकता जैसे मूलभूत अधिकार पर संवैधानिक दृष्टिकोण और त्वरित न्याय को अपनाना होगा। वर्तमान स्थिति को देखते हुए भारत मे राष्ट्रीय नागरिकता आयोग की आवश्यकता है। जो राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होकर संविधान के अनुसार निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से नागरिकता तय करे। ह्यनागरिकताह्र कोई उपकार नहीं, वह प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध नागरिक होने का मौलिक अधिकार है। इसे प्रमाणित करने की जिम्मेदारी सरकार की है। जन्म तो भगवान की मर्जी से होता है। मां-बाप और जन्म लेने वाले को अधिकार नहीं होता है। वह किसको अपना बाप चुने। किस कुल और किस धर्म में जन्म ले। जहां जन्म लेता है, वह कर्म के आधार पर ईश्वर की मर्जी से जन्म लेता है। जन्मभूमि पर 84 लाख योनियों के जीवों का जन्मसिद्ध अधिकार है। जस्टिस लोकुर की किताब ने भारतीय लोकतंत्र, न्यायपालिका, धार्मिक और सामाजिक अस्थिरता, राज्य की मंशा और नागरिकों की असुरक्षा पर गंभीर मंथन किया है। अगर नागरिकता का आधार भरोसे के स्थान पर भय बनकर रह जायेगा? भारत से जाकर विदेशी नागरिकता लेने वाले जिस तरह पैसे के बल पर विदेशों में नागरिकता ले रहे हैं।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- ह्यरामायण और महाभारत में क्या अंतर है?ह्र विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- ह्यआप ही बताइएह्र अध्यापक बोला- रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है ह्यहक-हकूकह्र का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही कहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। वह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्तव्य को अपने जीवन का सर्वोपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

एनसीईआरटी: नफरत को बढ़ावा देने इतिहास का इस्तेमाल

- राम पुनियानी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) वह संस्था है जो स्कूली पाठ्यपुस्तकों की सामग्री के संबंध में अंतिम निर्णय लेती है। पिछले कुछ दशकों से विद्यार्थियों को तार्किक व निष्पक्ष ढंग से हमारे अतीत के बारे में ज्ञान देने की बजाए इसकी किताबें साम्प्रदायिक नजरिया पेश करने का जरिया बन गई हैं। चूंकि इतिहास युवा दिमागों की समझ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए पाठ्यक्रम को साम्प्रदायिक रंग देने से विभिन्न तरीकों से पहले ही बेगाने बना दिए गए समुदाय (मुसलमानों) के प्रति मौजूदा नफरत और बढ़ेगी। अंग्रेजों ने जो इतिहास लेखन किया वह राजाओं को उनके धर्म के चश्मे से देखता था। राजा केवल दौलत और सत्ता की खातिर राज करते थे मगर उन्हें इस तरह पेश किया गया मानो उनका एकमात्र एजेंडा अपने-अपने धर्म को बढ़ावा देना था। इस तथ्य को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया कि बहुत से युद्ध एक ही धर्म के राजाओं के बीच हुए थे। उनकी सेनाओं में दोनों धर्मों के सैनिक होते थे। उन्होंने बहुत से ऐसे काम किए, बल्कि ज्यादातर ऐसे काम किए, जिन्हें आज के दौर के पैमानों पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। अपने साम्राज्य के विस्तार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कई बार दो पड़ोसी राज्यों के राजाओं के बीच युद्ध होते थे। युद्ध सबसे अमानवीय कृत्य होता है, और इन युद्धों में बरती गई निर्दयता या राजाओं के अन्य बुरे काम किसी एक धर्म के राजाओं तक सीमित नहीं थे। जहां शिवाजी ने पहला युद्ध चन्द्र राव मोरे के खिलाफ लड़ा, वहीं बाबर को अपना राज स्थापित करने और भारत में अपने वंश की नींव डालने के लिए इब्राहिम लोधी को पराजित करना पड़ा। महान चोल और चालुक्य राजाओं के बीच भी एक युद्ध हुआ। राजाओं को उनके दौर से अलग करके नहीं देखा जा सकता। आज के भारत में मुगल राजाओं द्वारा ढाए गए जुल्मों को उनके संदर्भ, उनके दौर से अलग करके प्रस्तुत किया जा रहा है ताकि उन्हें कलुषित किया जा सके। एक अन्य बात भी समझनी जरूरी है और वह यह कि राजाओं के प्रशासनिक ढांचे में दोनों धर्मों के लोग होते थे, लेकिन एक जटिल प्रक्रिया के माध्यम से मुस्लिम राजाओं को आज के मुसलमानों के साथ और हिंदू राजाओं को आज के हिंदुओं के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। मुसलमान राजाओं के दानवीकरण का हर नया दौर, आज के मुसलमानों को और अलग-थलग कर देता है और उनकी मुसीबतें बढ़ा देता है। ये सारी बातें एक बार फिर दोहराने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक सार्वजनिक हो गई है। इसमें 13वीं से 17वीं शताब्दी तक भारत के इतिहास का पुनरीक्षित विवरण दिया गया है। यह पुस्तक ह्यसमाज का अध्ययन: भारत और उसके आगेह्र श्रृंखला का हिस्सा है। यह एनसीईआरटी द्वारा दिल्ली सल्तनत और मुगलकाल के बारे में विद्यार्थियों को बताने वाली पुस्तकों की श्रृंखला में पहली है।

इस बार एनसीईआरटी ने मुस्लिम राजाओं का दानवीकरण करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उसके अनुसार मंदिरों को ध्वस्त करने का उद्देश्य मूर्तियों को तोड़ना था। लेकिन यदि हम मंदिरो को ध्वस्त किए जाने की घटनाओं का गहराई से अध्ययन करेंगे तो एक अलग ही कहानी सामने आएगी। हम जानते हैं कि कल्हण रचित ह्यराजतरंगिणीह्र में राजा हर्षदेव के बारे में बताया गया है कि उन्होंने देवोत्पतन नायक पदनाम से एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति की थी जिसकी जिम्मेदारी थी देवताओं की मूर्तियों को नष्ट करना। उन्होंने ऐसा दौलत हासिल करने के लिए किया था, क्योंकि मूर्तियों के नीचे अक्सर सोने-चांदी के जवाहरात दबे होते थे। हर्षदेव संभवतः सबसे ज्यादा मंदिरों को नष्ट करने वाले राजा थे। अब किसी विश्वसनीय स्त्रोत से पुष्टि के बिना औरंगजेब द्वारा नष्ट किए गए मंदिरों की संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। यह सच है कि औरंगजेब ने कुछ मंदिरों को तोड़ने का आदेश दिया था लेकिन उसके द्वारा नष्ट किए गए मंदिरों की संख्या से ज्यादा बड़ी संख्या ऐसे मंदिरों की है जिन्हें उसने दान दिया। ह्यफरमान्स ऑफ किंग औरंगजेबह्र शीर्षक डॉ. विश्वम्भरनाथ पांडे द्वारा लिखित पुस्तक में उन असंख्य मंदिरों की सूची दी गई है जिन्हें औरंगजेब ने दान दिए। जहां तक बाबर का सवाल है, उसके द्वारा राम मंदिर नष्ट किया जाना, दोनों समुदायों के बीच खाई को गहरा करने वाला मुख्य मुद्दा बन गया। इलाहबाद उच्च न्यायालय ने हिंदुओं को मस्जिद का एक हिस्सा दिए जाने का फैसला ह्यआस्थाह्र के आधार पर दिया, ना कि किसी विधिक तर्क के आधार पर। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में भी मस्जिद के नीचे मंदिर होने की बात को सही नहीं माना गया। राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली में मौजूद बाबर की वसीयत के मुताबिक बाबर ने हुमांयू को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था कि मंदिरों को नष्ट न किया जाए और गौवध न हो क्योंकि यहां बहुसंख्यक लोग हिंदू हैं और उनकी आस्था और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। यह इस बात का सबूत था कि बाबर एक व्यवहारिक शासक था। एनसीईआरटी की पुस्तक में चित्तौड़गढ़ में 30,000 लोगों के कत्ल और अकबर के मंदिरों को नष्ट करने के आदेश का हवाला दिया गया है। चित्तौड़गढ़ की घेराबंदी में राजपूत राजा भगवंत दास, अकबर के सहयोगी थे। यह पक्के तौर पर कहा जा सकता है कि बहुत से हिन्दू राजाओं ने भी इसी तरह के काम किए थे। चोलों और चालुक्यों के बीच हुए युद्ध में विजयी चोलों ने पूरे शहर को नष्ट कर दिया था और बहुत से जैन मंदिरों को भी जमींदोज किया था। पुष्यमित्र शुंग ने बौद्ध भिक्षुओं की हत्या और बौद्ध विहारों और स्तूपों को नष्ट करने का अभियान चलाया था। बाल सामंत की पुस्तक ह्यशिवकल्याण राजाह्र हमें शिवाजी की सेना द्वारा सूरत में की गई लूटपाट, आगजनी और लोगों पर हमलों के बारे में बताती है। यह सब राजशाही के उस दौर में आम था।

युद्धों में निर्ममता बरती जाती थी और इसका राजा के धर्म से कोई संबंध नहीं था। जिस सबसे बड़े तथ्य को नजरअंदाज किया जाता है या छुपाया जाता है वह यह है कि मुगल राजाओं की सेनाओं में हिंदू राजपूत सैनिक होते थे और हिंदू राजाओं की सेनाओं में मुस्लिम सैनिक। अन्यों के अलावा अकबर की सेना में मानसिंह थे और औरंगजेब की सेना में जयसिंह और जसवंत सिंह थे। राणा प्रताप की सेना के सेनापति हाकिम खान सूर थे और दौलत खान, इब्राहिम गर्दी और बहुत से सिद्दी शिवाजी महाराज के साथ थे। इस पुस्तक में इतिहास का विवरण चुन-चुनकर दिया गया है, और कई मामलों में मुसलमानों के हिंदू राजाओं के साथ होने या हिंदुओं के मुस्लिम राजाओं के साथ होने की बात को छिपाया गया है। जहां बाबर, अकबर और औरंगजेब की क्रूरता का विवरण दिया गया है वहीं उनके प्रशासन और सेना में दोनों धर्मों के लोगों के होने का जरा सा भी जिक्र नहीं है। इसी तरह तथ्य यह है कि मुगल साम्राज्य के पूरे दौर में जजिया लागू नहीं था। अकबर 1560 में राजगद्दी पर बैठा और उसने दो-तीन साल के अंदर जजिया हटा दिया। जजिया धर्म-परिवर्तन को प्रोत्साहित नहीं करता था, बल्कि वह गैर-मुसलमानों पर लगाया जाने वाला एक कर था, जिन्हें धिम्मी कहा जाता था अर्थात वह समुदाय जिसे मुस्लिम राज्य का संरक्षण हासिल था। ब्राम्हणों और महिलाओं को इस कर से छूट थी। इससे धर्म परिवर्तन को प्रोत्साहन इसलिए नहीं मिलता था क्योंकि मुसलमानों को जकात का भुगतान करना होता था, जो लगभग जजिया के बराबर थी। इस काल को इतिहास का काला दौर कहा जा रहा है। इतिहास के हर दौर के कुछ उजले पहलू होते हैं और कुछ शर्मनाक। इस काल में अति मानवीय सूफी और भक्ति परंपराओं का उदय हुआ। इस काल में ही सिक्ख धर्म की स्थापना हुई और वह फला-फूला। इतिहास के इस काल में ही दोनों प्रमुख धर्मों की परंपराओं के सामाजिक और सांस्कृतिक मेलमिलाप से एक मिश्रित संस्कृति - गंगा-जमुनी तहजीब - का उदय हुआ। इस काल में ही दोनों धर्मों की कई प्रथाओं के संश्लेषण से इस सरजमीं के रीति-रिवाजों ने आकार लिया।

राजाबाबू के राम, नई पहल, नया विवाद

- चैतन्य भट्ट

1994 बैच के आईपीएस अधिकारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ट्रेनिंग राजा बाबू सिंह ने एक सलाह क्या दी उस पर विवाद शुरू हो गया, यद्यपि राजा बाबू सिंह की ये सलाह कि जिन सिपाहियों की नई भर्ती हो रही है और जिन्हें पुलिस कार्यप्रणाली की ट्रेनिंग दी जा रही है वे सोने के पूर्व रामचरितमानस का पाठ करें यद्यपि ये निर्देश किसी के लिए अनिवार्य नहीं बल्कि स्वैच्छिक हैं लेकिन धर्म निरपेक्षता की दुहाई देने वाले इस निर्देश को विवादास्पद बनाने में जुट गए हैं। दरअसल यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ट्रेनिंग राजा बाबू सिंह ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सभी पुलिस अधीक्षकों को ये निर्देश दिए कि नई भर्ती होने वाले सिपाहियों को ये बताएं कि यदि वे सोने के पूर्व रामचरितमानस का पाठ करते हैं तो न केवल उनमें नैतिक साहस की बढ़ोतरी होगी बल्कि वे मानसिक रूप से भी मजबूत भी होंगे, इधर ये निर्देश जारी हुआ ही था कि कि इस निर्णय पर सवाल उठने लगे।. वहीं राजा बाबू सिंह की सोच ये थी कि प्रदेश में जो नई भर्ती सिपाहियों के रूप में हो रही है उन्हें रामचरितमानस में भगवान राम के चौदह वर्ष के वनवास का हिस्सा पढ़ना चाहिए कि घर से दूरी कई बार क्यों जरूरी हो जाती है. और इस सोच के पीछे भर्ती होने वाले सिपाहियों की होमसिकनेस सबसे बड़ा मुद्दा था उनके मुताबिक अनेक सिपाहियों ने इस बात के आवेदन उन्हें दिए थे कि उन्हें घर के पास ही ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाए क्योंकि वे घर से दूर नहीं रहना चाहते। इस मुद्दे पर राजा बाबू सिंह ने इन नए रंगरूटों को यह शिक्षा देने की कोशिश की की कि जिस तरह

भगवान श्री राम ने अपने परिवार से दूर जंगल में चौदह वर्ष बिताए, अपनी पत्नी को खो दिया, शबरी के झूठे बेर खाए उसी तर्ज पर इन नए रंगरूटों को अपने घर से दूर रहने की शिक्षा रामचरितमानस के पाठ से मिल सकती है, मर्यादा का पालन करना भगवान राम का सबसे प्रमुख गुण था इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम राम कहा जाता है पुलिस के सिपाहियों की भी एक मर्यादा होती है और यदि वे रामचरितमानस का पठन करेंगे तो उन्हें अपनी मर्यादा का एहसास होगा लेकिन. कांग्रेस ने इस निर्देश को गैर संवैधानिक बता दिया उधर जमीअत ए उलेमा संगठन ने सुझाव दे दिया है कि अगर पुलिस वालों को धार्मिक ग्रंथ पढ़ाना ही है तो, फिर बाकी धर्म ग्रंथ भी इस ट्रेनिंग में शामिल किये जाने चाहिए।

राजा बाबू सिंह के इस निर्देश पर यदि अमल होने लगेगा तो मध्य प्रदेश में पुलिस की नौकरी में भर्ती के लिए आरक्षक अब फिजीकल और मेंटल ट्रेनिंग के साथ प्रतिदिन रामचरितमानस का पाठ भी करेंगे. यह उनकी ट्रेनिंग का ही हिस्सा होगी. इसके पीछे वजह ये बताई गई है कि ट्रेनिंग के दौरान ये पाठ उन्हें परिवार से दूर रहने पर भी आत्मबल देगा. जब भगवान होकर श्रीराम चौदह वर्ष वनों में गुजार सकते हैं, तो ये चंद दिनों की ट्रेनिंग क्या मुश्किल है.।

इस संदर्भ में जब राजा बाबू सिंह से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि रामचरितमानस की चौपाइयों के जरिए पुलिस जवान उनके अर्थों को अपने जीवन में उतार सकें, इसलिए पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के सभी जवानों के लिए रात में सोने से पहले एक साथ बैठकर चौपाइयों के सामूहिक पाठ के निर्देश दिए गए हैं. इसके लिए सभी पुलिस अधीक्षकों को श्री रामचरितमानस की हर केंद्र पर एक प्रति रखवाने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं.उनका कहना था कि

पुलिस के जवानों को भगवान श्री राम के चरित्र से इसलिए भी सीखने की सलाह दी है ताकि घर से दूर रहकर भी अपने जीवन को सशक्त सार्थक करें और नए दौर की अपराधों से निपटने के लिए हर विधा में मजबूती से पारंगत हो सके. जिस तरह भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल के दौरान जंगलों में रहने और वानरों की सेना बनकर महायोद्धा रावण से युद्ध कर उसे परास्त किया था उसी तर्ज पर ये सिपाही अपनी नई भूमिका का निर्वाह करते हुए अपराध रूपी रावण का अंत करने में सफल होंगे। राजाबाबू सिंह ने कहा कि रामानंद सागर के विश्वप्रसिद्ध सीरियल रामायण में भगवान राम का चरित्र निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल ने भी कहा था कि रामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं एक सोशल गाइड है

राजाबाबू सिंह के इस निर्देश और सलाह को कांग्रेस ने बेहद विवादास्पद शुरूआत बताया है. कांग्रेस का कहना है कि क्या संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को इस तरह की असंवैधानिक बात करनी चाहिए, ना हमारी पार्टी को रामचरितमानस पढ़ाए जाने से आपत्ति है और ना किसी व्यक्ति को किसी तरह का एतराज है, लेकिन पुलिस का एक ही धर्म है और वह संविधान का पालन करना है. सवाल ये खड़ा होना चाहिए कि क्यों घर से दूर ट्रेनिंग में पुलिस कर्मियों को दिक्कत हो रही है.।

जमीअत ए उलेमा के मध्य प्रदेश प्रमुख हाजी हारून ने भी इस निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि हर धर्म में जो अच्छी शिक्षा है. वो पुलिस कर्मियों तक पहुंचनी चाहिए, फिर चाहे वो कुरान की बात हो या बाइबिल की.।.दूसरी तरफ हिंदुत्व का मुद्दा लेकर चलने वाली भारतीय जनता पार्टी ने राजाबाबू सिंह की इस पहल का स्वागत किया है । प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि विरोध कर रही कांग्रेस रामचरितमानस का पाठ कर लें. भगवान राम का जीवन कैसे समाज के हर वर्ग के लिए दिशा देता है, ये जान लें. भगवान राम के चरित्र में त्याग, कर्तव्यपरायणता, अनुशासन सबका समावेश है उनका जीवन एक प्रकाश स्तंभ की तरह सबको आलोकित करता है.

1994 बैच के आईपीएस अधिकारी राजा बाबू सिंह का भगवान राम और श्रीमद भगवतगीता के प्रति बेहद लगाव रहा है 1992 में उन्होंने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के निर्माण में सहयोग भी दिया था। 94 में आईपीएस बने उसके बाद अनेक जिलों में एसपी डीआईजी रहते हुए उन्होंने कई नवाचार भी किए जबलपुर में भी वे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ रहे वहीं ग्वालियर में आईजी के पद पर रहते हुए उन्होंने गीता की हजारों प्रतियां वितरित की थी। कश्मीर में आईजी बीएसएफ, आइटीबीपी जैसे महत्वपूर्ण विभागों में उन्होंने अपनी सेवाएं दी थी इस मसले पर भले ही विवाद शुरू हुआ हो लेकिन यदि देखा जाए तो जो सिपाही होमसिकनेस से पीड़ित है उनके लिए भगवान राम की यह अमर कथा उन्हें मानसिक रूप से संबल प्रदान कर सकती है।

पौराणिक काल से ही होती रही है नागों की पूजा

- योगेश कुमार गोयल

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्यौहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी ह्यनाग पंचमीह्र मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर ह्यकुशह्र नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागरखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है। भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी ह्यस्थान देवताह्र माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं। नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदान मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा।

आज का राशिफल

मेष अगर विद्यार्थी बौद्धिक और मानसिक समस्याओं का सामना कर रहे थे तो अब उन्हें उससे छुटकारा मिलेगा।

तुला आज व्यापार के मामले में आपको जल्दबाजी में फैसले लेने से बचना होगा।

वृषभ आज व्यापार के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको अचानक कोई लाभ प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक व्यक्ति के साथ निकटता और दोस्ती हो सकती है। अनुभव से आपको लाभ भी प्राप्त हो सकता है।

मिथुन आज आपके द्वारा किया हुआ कोई भी काम आसानी से पूरा हो जाएगा।

धनु आज विरोधी परास्त हो सकते हैं। राजनीतिक सहयोग प्राप्त होने की संभावना है।

कर्क कार्यक्षेत्र में आपको कामकाज के सिलसिले में हर जगह से सफलता प्राप्त हो सकता है।

मकर पुरानी महिला मित्र के द्वारा आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह समाज में भी आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और भाग्य चमकने के योग भी बन रहे हैं।

कुंभ आज कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है और धन लाभ के भी अच्छे योग बन रहे हैं।

कन्या आज कार्यस्थल पर आपके ऊपर काम का प्रेशर कुछ ज्यादा रह सकता है।

मीन उच्च अधिकारियों से आपको सराहना मिलेगी और पिता भी आपकी तारीफ करेंगे।

विशेष

ईड़ी के दुर्दिन शुरू

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईडी के दुरदिन शुरू हो चुके हैं सुप्रीम कोर्ट में एक ही दिन में दो बार ईड़ी के अधिकारियों और उनके वकील साहब को कड़ी फटकार लगी। सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया,हर मामले में टांग अड़ाने की जरूरत नहीं है। जिस काम के लिए आपको अधिकार दिए गए हैं, वही काम करें। सरकार की एजेंसी बनकर गैर कानूनी काम नहीं करें। सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी चेतावनी दी है। ऐसा लगता है कि सुप्रीम कोर्ट अब ईड़ी के प? कतरने जा रही है सुप्रीम कोर्ट ईड़ी के पर कतरेगी,सरकार उड़ान भरना भूलेगी। इसे कहते हैं, समय की बलिहारी।

विदेश उड़े प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जीतना विपक्ष के वश की बात नहीं है। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर के बाद विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा था। सरकार ने डेढ़ महीने पहले मानसून सत्र की अधिसूचना जारी कर दी। विपक्ष ने बड़ी तैयारी कर रखी थी। एक दर्जन से अधिक विस्फोटक मुद्दे विपक्ष के पास थे। सारा विपक्ष एकजुट था, इस बार सरकार से आर पार की लड़ाई लड़ेंगे। जिनसे लड़ना था, जैसे ही मानसून सत्र शुरू हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेश यात्रा शुरू कर दी। विपक्ष अब यह मांग कर रहा है। प्रधानमंत्री सदन में रहें, तभी प्रधानमंत्री विपक्ष को ठेंगा दिखा रहे हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी रामायण में सही लिख गए हैं, समरथ को नहीं दोष गुसाईं। मोदी जैसा सामर्थ्य दुनिया में और किसी के पास नहीं है। विपक्ष चिल्लाता ही रह गया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1565: स्काट्स की रानी मेरी ने हेनरी स्टुअर्ट से विवाह किया. 1876: भारतीय विज्ञान कांग्रेस की स्थापना हुई. 1891: ईश्वरचंद्र विद्यासागर का निधन हुआ. 1900: इटली नरेश अम्बर्टो प्रथम की हत्या हुई. 1930: इंग्लैंड से कनाडा तक आर-100 विमान यात्रियों को लेकर पहली बार गया. 1948: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ओलंपिक खेलों का आयोजन इंग्लैंड के वेम्बले स्टेडियम में हुआ. 1967: अमरीकी विमान वाहक पोत फॉरेस्टाल में आग लगने से चालकदल के 130 सदस्य मारे गए. 1975: नाइजीरिया में सेना ने सत्ता पर कब्जा किया. 1980: भारत ने मास्को ओलंपिक में हॉकी का स्वर्णपदक हासिल किया. 1981: ब्रिटिश तख्त के उत्तराधिकारी युवराज चार्ल्स का विवाह डायना स्पेंसर से हुआ. 1983: प्रथम चालक रहित विमान का परीक्षण किया गया.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.55 बजे से
चंद्र	कन्या में	कन्या	09.07 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	11.17 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.32 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.48 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.53 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.40 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.13 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.43 बजे से
राहुकाल		वृष	00.23 बजे से
3.00 से 4.30		मिथुन	02.21 बजे से
बजे तक		कर्क	04.35 बजे से

2025 वर्ष का 210 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास श्रावण पक्ष शुक्ला
तिथि पंचमी 00.47 बजे रात्र को समाप्त। नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 19.28 बजे को समाप्त। योग शिव 03.05 बजे रात्र को समाप्त। करण बव 12.01 बजे तदनन्तर बालव 00.47 बजे रात्र को समाप्त। चन्द्रायु 04.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18°44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872420
जूलियन दिन 2460885.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 03
विशेष नाग पंचमी, मंगला गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर हैं अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दो खंभों पर समुद्र के बीच बसा हुआ दुनिया का सबसे छोटा देश

इंग्लैंड के पास स्थित सीलैंड दुनिया का सबसे छोटा देश है, लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा कि यह समुद्र के बीच दो बड़े खंभों के ऊपर बसा है। इस देश को माइक्रो नेशन कहा जाता है। इसका क्षेत्रफल मात्र 250 मीटर है। यहां 50 से भी कम लोग रहते हैं। हालांकि इसे अंतर्राष्ट्रीय मान्यता नहीं मिली है लेकिन इनकी अपनी मुद्रा और स्टाम्प टिकट है। बता दें कि ब्रिटेन ने द्वीतीय विश्वयुद्ध के समय इसका निर्माण किया था। फिर इसे खाली करा दिया हया। इस पर अलग-अलग लोगों का कब्जा रहा। साल 2012 में सीलैंड के प्रिस के तौर पर रॉय बेट्स नाम के शक्स ने खुद को पेश किया। उनकी मौत के बाद उनके बेटे माइकल ने गद्दी संभाल ली।

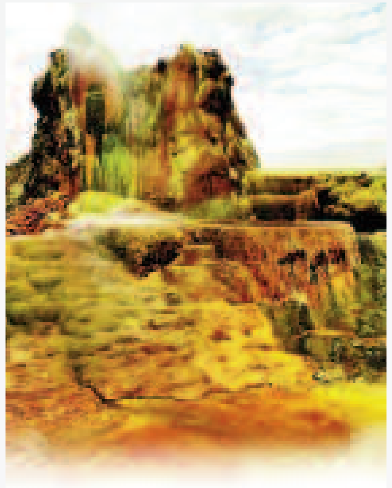

ये है गर्म पानी का फव्वारा, जानिए क्या है इसका रहस्य

यह तस्वीर है फ्लाई गीज़र यानी गर्म पानी के फव्वारे की। यह फव्वारा हमेशा गर्म पानी फेंकता है। अमेरिका के एक छोटे से शहर नेवाडा में स्थित यह रहस्यमयी और अजब-गजब फव्वारा प्राकृतिक रूप से बना है जिसकी खोज एक किसान ने की थी। किसान खेती के लिए गड्ढा खोद रहा था और पानी का स्तर बहुत नीचे था तो उसे गहरा गड्ढा खोदना पड़ा। लेकिन ये क्या! गहराई में निकला पानी बेहद गर्म था। पानी दो सौ डिग्री तापमान में खौल रहा था। यह देखकर वह भाग खड़ा हुआ। पानी का तेज दबाव होने और खूब गर्म होने के कारण इसे फ्लाई गीज़र का नाम दिया गया। इस गड्ढे ने समय के साथ खूबसूरत रूप ले लिया। गर्म पानी में जो खनिज थे उसके वजह से इसने रंग बिरंगे पहाड़ का रूप ले लिया जिसमें से गर्म पानी फव्वारे की तरह आता है।

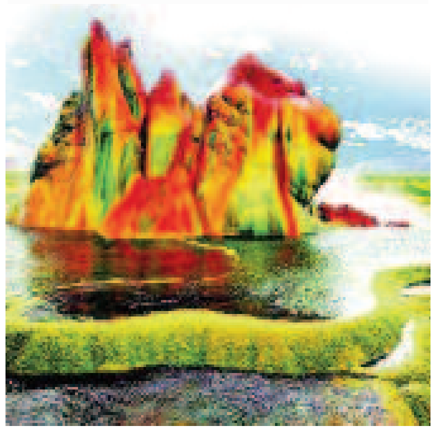

बेहद अनोखा है रेगिस्तान में जश्न का तरीका

बर्निंग मैन फेस्टिवल

दुनियाभर में कई तरह के फेस्टिवल होते हैं. जो अपने आप में खास होते हैं. इनकी खासियत ही इन्हें एक दूसरे से हटकर बनाती है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना है जिसमें लोग पूरा शहर ही जलाकर राख कर देते हैं. हैरानी की बात तो ये है कि ऐसा करने पर लोगों को बधाई भी दी जाती है और उनकी तारीफ की जाती है. ये पूरा फेस्टिवल रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जहां सबकुछ जलने के बाद रेत पर राख का सिर्फ काला रंग ही पसरा होता है. ये अनोखा फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में आयोजित किया जाता है.

बड़ी मेहनत से जी-जान लगाकर, अपना समय देकर, अपनी रचनात्मकता का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए आपने कोई चीज तैयार की हो, तो आप उसे कितना सहेज कर रखेंगे ना! लेकिन क्या आप अपनी ही उस खूबसूरत कलाकृति को खुद आग लगाने की हिम्मत कर सकते हैं। नहीं ना, लेकिन अपनी कलाकृति को आग लगाने का एक फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में मनाया जाता है। इस फेस्टिवल को बर्निंग मैन फेस्टिवल के नाम से जाना जाता है। रेगिस्तान में होने वाला यह अनोखा फेस्टिवल अगस्त के आखिरी रविवार से शुरू होता है और सितंबर के पहले सोमवार तक चलता है। इसमें लोग खुद कई तरह की कला से जुड़ी चीज़ें तैयार करते हैं। एक तरह से अपना एक शहर बसाते हैं। नाच-गाना होता है और इन कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगती है। लेकिन फेस्टिवल के आखिरी दिन खुद की बनाई कलाकृतियों को वे खुद जला देते हैं।

यह काम आसान नहीं है लेकिन इस फेस्टिवल की फिलॉसफी ही यही है कि खुद की रचना को जलाने से अहंकार भी राख हो जाता है। 1986 में सेन फांसिस्को के बेकर बीच पर पहली बार ये फेस्टिवल आयोजित किया गया था और आज तक इसका आयोजन हो रहा है। कला और संगीत के इस आयोजन में दस हजार से ज्यादा लोग इकट्ठा होते हैं।

दुनियाभर में कई तरह के फेस्टिवल होते हैं. जो अपने आप में खास होते हैं. इनकी खासियत ही इन्हें एक दूसरे से हटकर बनाती है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना है जिसमें लोग पूरा शहर ही जलाकर राख कर देते हैं. हैरानी की बात तो ये है कि ऐसा करने पर लोगों को बधाई भी दी जाती है और उनकी तारीफ की जाती है. ये पूरा फेस्टिवल रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जहां सबकुछ जलने के बाद रेत पर राख का सिर्फ काला रंग ही पसरा होता है. ये अनोखा फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में आयोजित किया जाता है. इस फेस्टिवल का नाम बर्निंग मैन फेस्टिवल है, जिसमें हर साल हजारों लोग पहुंचते हैं. इस बार इसमें करीब 70 हजार लोगों ने शिरकत ली. यहां आने वाले लोग अपने हिसाब से पहले शहर बनाते हैं और फिर फेस्टिवल के अंत में वो खुद अपने हाथों ही सबकुछ जला देते हैं.

साल 1986 से शुरू किए गए इस फेस्टिवल में पहली बार सिर्फ 80 लोग ही आए थे. लेकिन बाद में ये इतना पॉपुलर हुआ कि हर साल ये संख्या बढ़ती ही गई. यहां पर लोग आते हैं और खुद का शहर बसाते हैं. वो कई कलात्मक वाहन और दूसरी कला से जुड़ी चीजें बनाते हैं. इस दौरान नाचना-गाना भी होता है और कला की प्रदर्शनी भी होती है.

फेस्टिवल के आखिरी दिन ये लोग खुद की बनाई कला को जला देते हैं. ऐसा वो यहां की फिलॉस्फी के कारण करते हैं, जिसमें माना जाता है कि खुद ही अपनी रचना को जलाकर अहं भी राख हो जाता है. यहां लोगों को अपने तरीके से जीने की आजादी दी जाती है. उन पर किसी भी तरह की रोक नहीं लगाई जाती है, ताकि वो सही मायने में आजादी का मतलब समझ सकें.

इस फेस्टिवल का सिर्फ एक नियम भी है, जो कम हैरान करने वाला नहीं है. यहां पर ऐसी किसी भी चीज का उपयोग नहीं कर सकते हैं, जो पर्यावरण को नुकसाना पहुंचाए. इस नियम के कारण ही यहां पर प्लास्टिक के सामान से लेकर फ्यूल वाहन तक बैन हैं. आप यहां पर सिर्फ साइकिल या पैदल ही घूम सकते हैं.

एक व्यक्ति पर होता है 65000 रुपए का खर्च

फेस्टिवल में कला और संगीत को जगह दी गई है। हर कोई वह काम करता है, जो उसका फेवरेट होता है। अमेरिका में हर साल होने वाले इस त्योहार में हजारों लोग शामिल होते हैं और कई चीजों से अलग-अलग आकृतियां बनाकर दुनिया को दिखाते हैं। यह जरूरी नहीं कि यह आकृतियां आकर्षक हो इसलिए ज्यादातर आकृतियां अजीब ही होती हैं। इतना ही नहीं इस फेस्टिवल में लोग अलग और अजीब वेशभूषा भी धारण करते हैं। इस फेस्टिवल में कोई नियम नहीं है कि आप खुद को कैसे प्रेजेंट करते हैं। इस त्योहार को संस्कृति में लेने देने वाला पर्व भी कहते हैं। यहां पर खुले मैदान में दूर से दिखने वाली आकर्षक आकृति लकड़ी से बनाई जाती है, जिसे अंतिम दिन जला दिया जाता है। इस तरह पर्व समाप्त हो जाता है। इसे फेस्टिवल ऑफ फायर भी कहते हैं।

फेस्टिवल के लिए अस्थायी तौर पर ब्लैक रॉक सिटी बनती है। 25 हजार रुपए का टिकट खरीदकर उसके सदस्य बनते हैं। पिछले साल 65 हजार लोग वहां पहुंचे थे। एक व्यक्ति का खर्च तकरीबन 65 हजार रुपए होता है। तकरीबन 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में हजारों लोग अपनी धुन में मग्न रहते हैं। हजारों लोग रेगिस्तान में नाचने, गाने और अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठा होते हैं।

तीन दोस्तों ने की थी शुरुआत

द बर्निंग मैन फेस्टिवल की शुरुआत साल 1986 में कलाकार लैरी हार्वे ने मित्र जॉन ला और जैरी जेम्स के साथ सैन फ्रांसिस्को के बेकर तट पर की थी। उस समय 9 फीट ऊंचा लकड़ी का पुतला जलाया गया था और तभी से पुतले जलाने की परंपरा है। इस समय यह फेस्टिवल अमेरिका के अलावा दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, स्पेन, स्वीडन, इजराइल, जापान, दक्षिण कोरिया और कनाडा में भी मनाया जाता है।

कहाँ है ब्लैक रॉक रेगिस्तान

यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका (यूएसए) के नेवादा राज्य में स्थित .ब्लैक रॉक डेजर्ट. एक अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र है। -21 जून 1986 से इस रेगिस्तान में बर्निंग मैन-फैस्टिवल मनाया जाता है। यहां दुनियाभर से आए लोग सेलफोन, इंटरनेट, जैसी अत्याधुनिक सुख-सुविधाओं से दूर रहकर पारम्परिक नाच-गाने और गीत संगीत के बीच एक सप्ताह गुजारते हैं।

...क्या अमेरिका के पास हैं एलियन?

एलियन को लेकर अक्सर चर्चा होती है। दुनिया में कई ऐसे हैं जो एलियन और यूएफओ देखने के दावा करते हैं। अब इस बीच अमेरिका ने एलियन को लेकर बड़ा खुलासा किया है। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन की रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका गुप्त रूप से एलियन टेक्नोलॉजी या एलियन जीवों को जनता से नहीं छिपा रहा है। पेंटागन ने ऑल डोमेन एनोमली रेजोल्यूशन ऑफिस की तरफ से जांच के बाद निष्कर्षों को जारी किया। ऑल डोमेन एनोमली रेजोल्यूशन ऑफिस की स्थापना साल 2022 में की गई थी। इसका उद्देश्य विषम, अज्ञात स्थान, हवाई और जलमग्न खतरों के बारे में पता लगाने और उन्हें कम करना है। पेंटागन की तरफ से पहले भी एलियन जीवन से जुड़ी रिपोर्ट जारी की जाती रही है। अमेरिका पर काफी लंबे समय से एलियन की जानकारी छिपाने के आरोप लगते हैं। आइए जानते हैं कि इस रिपोर्ट में अमेरिका ने क्या कहा है?

पेंटागन ने एलियन पर किया बड़ा खुलासा

पेंटागन ने अपनी रिपोर्ट में कहा एक कहानी बताई जाती है कि अमेरिका की सरकार ने कई एलियन एयरक्राफ्ट और अलौकिक जीवन के अवशेष की खोज की है। 1940 के दशक से इन कहानियों की शुरुआत हुई है। इसमें कहा जाता है कि अमेरिका ने जानकारियों को लोगों और कांग्रेस से छिपाकर रखा है। इस पर रिवर्स इंजीनियरिंग कर रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि टेलीविजन प्रोग्राम, किताबों, फिल्मों, इंटरनेट और सोशल मीडिया पर मौजूद सामग्री लोगों में इनसे जुड़ी मान्यताओं को मजबूत किया है।

जांचकर्ताओं को अमेरिका के सभी जरूरी संवेदनशील प्रोग्राम तक जाने की इजाजत दी थी। उनके द्वारा 1945 के बाद से सभी आधिकारिक सरकारी जांच प्रयासों की समीक्षा की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसा कोई सबूत नहीं मिला, जिससे यह पता चल सके कि अमेरिकी सरकार की जांच यूएफओ देखने या एलियन से संबंधित है। पेंटागन के एक प्रवक्ता ने बताया कि जांचकर्ताओं को इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि आसमान में कोई अज्ञात चीजे मिली हों।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 1950 और 60 के दशक में यूएफओ देखने से जुड़ी रिपोर्ट में बढ़ोत्तरी हुई है। इसकी वजह नई नई टेक्नोलॉजी का विकास हो सकता है।

दरअसल, इस दौरान जासूसी विमानों और अंतरिक्ष तकनीक को टेस्ट किया जा रहा था, जिसमें ऊंचाई वाले गुब्बारे शामिल थे। इनमें से एक 1947 में न्यू मैक्सिको के पास हादसे का शिकार हुआ। इसने यूएफओ की अटकलों को बढ़ावा मिला, लेकिन रिपोर्ट में डेटा की कमी और वीडियो फुटेज की खराब गुणवत्ता की भी बात कही गई है।

बैंकों में यूं ही पड़े हैं 67000 करोड़ से ज्यादा रकम, कोई दावेदार नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। बैंकों खास कर सरकारी बैंकों में 67,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा रकम यूं ही पड़े हैं। इन पैसों का कोई दावेदार नहीं मिल रहा है। इनमें से करीब 29 फीसदी पैसा तो देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक में पड़ा हुआ है। सरकार की तरफ से यह जानकारी कल संसद में दी गई।

किसने दी यह जानकारी- लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि 30 जून, 2025 तक देश के सभी बैंकों में 67,003 करोड़ रुपये का कोई दावेदार नहीं है। मतलब कि यह अनक्लेम्ड डिपॉजिट है। जिन बैंकों में ये पैसे पड़े हैं, उनमें सरकारी और प्राइवेट, दोनों बैंक शामिल हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, इस कुल राशि में से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पास 58,330.26 करोड़ रुपये और निजी क्षेत्र के बैंकों के पास 8,673.72 करोड़ रुपये हैं।

किस बैंक में कितनी राशि- पंकज चौधरी ने बताया कि बिना दावे वाली रकम सबसे ज्यादा सरकारी बैंकों में पड़ी है। कुल राशि में से करीब 29 फीसदी राशि भारतीय स्टेट बैंक के पास है। यह रकम 19,329.92 करोड़ रुपये है। इसके बाद दिल्ली मुख्यालय वाले पंजाब नेशनल बैंक का नंबर आता है। पीएनबी के पास 6,910.67 करोड़ रुपये जमा हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के ही केनरा बैंक के पास 6,278.14 करोड़ रुपये बिना दावे के जमा हैं जबकि बैंक ऑफ बड़ौदा के पास 5,277.36 करोड़ रुपये पड़े हुए हैं।

प्राइवेट बैंक में आईसीआईसीआई बैंक सबसे आगे

बिना दावे वाली राशि जमा होने में यदि प्राइवेट बैंकों की बात करें तो आईसीआईसीआई बैंक के पास सबसे ज्यादा 2,063.45 करोड़ रुपये जमा हैं। इसके बाद एचडीएफसी बैंक का नंबर है। इस बैंक के पास 1,609.56 करोड़ रुपये बिना दावे के पड़े हैं। निजी क्षेत्र के ही एक्सिस बैंक के पास 1,360.16 करोड़ रुपये बिना दावे के पड़े हैं।

पारादीप फॉस्फेट्स कंपनी को हुआ 4726 प्रतिशत का छप्परफाड़ मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। पारादीप फॉस्फेट्स के शेयर मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर आज 17 प्रतिशत तक चढ़ गए और 234.05 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे शानदार तिमाही नतीजे हैं। दरअसल, कंपनी का जून तिमाही (वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही) में नेट प्रॉफिट 49 गुना से अधिक बढ़ गया। पारादीप फॉस्फेट्स ने कहा है कि उसका नेट प्रॉफिट साल-दर-साल (4,726.4 प्रतिशत बढ़कर 255.8 करोड़ पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में केवल 5.3 करोड़ था।

रेवेन्यू में भी इजाफा

अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 57.9 प्रतिशत बढ़कर 3,754 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2,377 करोड़ था। बिक्री में बढ़ोतरी से कंपनी की प्रॉफिबिलिटी में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। परिचालन स्तर पर, ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई पिछले वर्ष की तुलना में तीन गुना से अधिक बढ़कर 466 करोड़ हो गई, जबकि पिछले साल यह 147 करोड़ थी। रिपोर्ट के अनुसार, चालू तिमाही में ईबीआईटीडी एमार्जिन बढ़कर 12.41 प्रतिशत हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 6.18 प्रतिशत था।

कंपनी का कारोबार - पारादीप फॉस्फेट्स मुख्य रूप से ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले के पारादीप और गोवा के जुआरी नगर स्थित

6800 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न, अब कंपनी दे रही 1 पर 1 शेयर बोनस

10 टुकड़ों में होगा स्टॉक स्प्लिट

मुंबई। नर्मदा मैकप्लास्ट ड्रिप इरिगेशन सिस्टम ने बोनस शेयर और स्टॉक का स्प्लिट का ऐलान किया था। यह मल्टीबैगर स्टॉक पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर देने जा रही है। बता दें, 2025 में ही इस कंपनी के शेयरों का भाव 100 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुका है।

1 शेयर पर 1 शेयर फ्री दे रही है कंपनी- नर्मदा मैकप्लास्ट ड्रिप इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा।

कंपनी ने बोनस इश्यू के साथ-साथ स्टॉक स्प्लिट का भी ऐलान किया है। एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 5 टुकड़ों में बांटा जाएगा। जिसके बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा- शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर बीएसई में नर्मदा मैकप्लास्ट ड्रिप इरिगेशन सिस्टम के शेयरों का भाव 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 210.85 रुपये के लेवल पर था। बीते एक महीने में इस मल्टीबैगर स्टॉक की कीमतों में 11 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है।

न डॉलर, न पाउंड... एक साल में रिजर्व बैंक ने अपने खजाने में सबसे ज्यादा बढ़ाया सोना

जून में की खूब खरीदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून के आखिरी हफ्ते में खूब सोना खरीदा। इस दौरान लगभग आधा टन सोना खरीदा गया। इस वित्तीय वर्ष में रिजर्व बैंक ने सोना खरीदने में थोड़ी सावधानी बरती थी, लेकिन बाद में खरीदारी

तेज कर दी। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक रिजर्व बैंक के पास 27 जून तक कुल 879.8 टन सोना था। पिछले हफ्ते यह आंकड़ा 879.6 टन था। इसका मतलब है कि आरबीआई ने एक हफ्ते में 4 क्विंटल सोना खरीदा है।

पिछले कुछ सालों में सोना भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे तेजी से बढ़ने वाला हिस्सा बन गया है।

रिटर्न का भी ध्यान

सोना महंगाई से बचने का एक अच्छा तरीका माना जाता है। इसलिए, कई संस्थाएं इसमें निवेश कर रही हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले तीन सालों में केंद्रीय बैंकों ने हर साल 1000 टन से ज्यादा सोना खरीदा है। यह सामान्य खरीदारी से काफी ज्यादा है।

खरीदारी ज्यादा, बिक्री कम

भारत में सोने पर रिटर्न सबसे ज्यादा है। फिर भी रिजर्व बैंक अपना सोना बहुत कम बेचता है। आरबीआई ने आखिरी बार मार्च के आखिरी हफ्ते में सोना खरीदा था। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुमानों के अनुसार, इस साल के पहले छह महीनों में सोने ने 26 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। निवेश के नजरिए से देखें तो यह भारत के लिए सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाला निवेश है। सिर्फ तुर्की में सोने से 40 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला है, जो भारत से ज्यादा है। भारत में सोने से मिलने वाला रिटर्न, पाउंड, येन और यूरो जैसी विकसित देशों की मुद्राओं से भी ज्यादा है। यहां तक कि चीन की मुद्रा रेनमिनबी से भी ज्यादा रिटर्न मिला है, जबकि चीन सोने का सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

टाटा के शेयरों ने निवेशकों को कर दिया बर्बाद

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप के दो बड़े शेयर ट्रेंट और टीसीएस इस साल सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले निफ्टी50 स्टॉक साबित हुए हैं। दोनों में 25 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस के शेयरों में लगभग 25 प्रतिशत गिरावट आई है। वहीं टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट के शेयरों में लगभग 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह कंपनी जूडियो और वेस्टसाइड जैसे ब्रांड चलाती है।

टीसीएस को ऐसा शेयर माना जाता था जिसे पांच साल में निवेशकों का पैसा दोगुना कर देता था। लेकिन अब यह 2008 की आर्थिक मंदी के बाद सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है।

टीसीएस का शेयर क्यों गिर रहा

हाल ही में टीसीएस ने लगभग 2 प्रतिशत कर्मचारियों (लगभग 12,000 लोगों) को नौकरी से निकालने का ऐलान किया था। हाल ही में आए पहली तिमाही के नतीजों से पता चला कि टीसीएस की कमाई उम्मीद से कम रही। इस दौरान कंपनी को 9.4 अरब के नए प्रोजेक्ट मिले जो पिछले साल से 13 प्रतिशत ज्यादा है। लेकिन इसमें कोई बड़ा प्रोजेक्ट शामिल नहीं है। टीसीएस के मैनेजमेंट का कहना है कि ग्राहक सोच-समझकर खर्च कर रहे हैं और नए प्रोजेक्ट शुरू करने में देरी हो रही है।

टैक्सपेयर्स को सीबीडीटी ने दी बड़ी राहत

आईटीआरप्रोसेस करने को मिलेगा और समय

नईदिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस ने करदाताओं को बड़ी राहत दी है। सीबीडीटी ने इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से फाइल किए गए इनकम टैक्स रिटर्न के प्रोसेसिंग के लिए और अधिक समय दिया है। बता दें, इन्हें टेक्निकल कारणों से सीपीसी बेंगलुरु ने गलत वैलिडेट कर दिया था।

क्या कुछ कहा गया है सीबीडीटी के सर्कुलर में- सोमवार को सीबीडीटी की तरफ से जारी किए गए सर्कुलर में निर्देश दिया गया था कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से 31 मार्च 2024 तक फाइल किए आईटीआर जिन्हें गलती से अमान्य कर दिया गया था, अब उन्हें प्रोसेस किया जा सकेगा। इन सभी रिटर्न की जानकारी टैक्सपेयर्स को 31 मार्च 2026 तक भेजी जाएगी।

इस फैसले से करदाताओं को ब्याज सहित रिफंड मिलने में मदद होगी। बता दें, जारी सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि अगर पैन कार्ड-आधार कार्ड से लिंक नहीं होगा तो उन्हें रिफंड नहीं किया जाएगा।

एनएसडीएल से एसबीआई समेत पांच निवेशकों को 39900 प्रतिशत लाभ

2-2 रुपये में खरीदे थे शेयर, अब 800 में बेचने की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई व आईडीबीआई जैसे संस्थान एनएसडीएल के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ में 39,900 फीसदी फायदा कमाएंगे। इन दोनों ने दो-दो रुपये में शेयर खरीदे थे। अब इश्यू में इसे 800-800 रुपये में बेचेंगे। कंपनी का आईपीओ 30 जुलाई को खुलेगा। हालांकि, इस इश्यू से कंपनी को कोई भी पैसा नहीं मिलेगा, क्योंकि सारे पहले के संस्थागत निवेशक हिस्सा बेच रहे हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लि (एनएसडीएल) आईपीओ से 4,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। इस आईपीओ में एसबीआई 40 लाख शेयर बेच रहा है।

गैर-सूचीबद्ध भाव से 22 फीसदी कम पर इश्यू

एनएसडीएल ने आईपीओ में शेयर का भाव 760 से 800 रुपये के बीच तय किया है। गैर-सूचीबद्ध बाजार में इसका भाव 1,025 रुपये चल रहा है। यानी उसकी तुलना में इश्यू में 22 फीसदी कम भाव रखा गया है। पहले यह 1,275 रुपये तक चला गया था। टाटा टेक्नोलॉजी, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज और पीबी फिनटेक जैसी कंपनियों ने भी आईपीओ में शेयरों की कीमत गैर-सूचीबद्ध बाजार से कम रखी थी।

वारी एनर्जी कंपनी को 93 प्रतिशत का मुनाफा

शेयर में तेजी, अब कल रहेगी निवेशकों की पैनी नजर

मुंबई। वारी एनर्जीज का जून तिमाही का प्रॉफिट बढ़कर 773 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में लगभग 93 प्रतिशत अधिक है। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण अधिक राजस्व है। एक बयान में यह जानकारी दी गई है। कंपनी ने एक साल पहले इसी तिमाही में 401.13 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। इस तिमाही में कंपनी का कुल राजस्व बढ़कर 4,597.18 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 3,496.41 करोड़ रुपये था। वारी एनर्जीज के शेयर कल मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में रह सकते हैं। आज सोमवार को इसमें आज कारोबार के दौरान 2 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई और यह शेयर 3250.75 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया।

कंपनी ने क्या कहा

वारी एनर्जीज के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. अमित पैठणकर ने कहा, ''मांग पक्ष की बात करें तो, हमारे पास 49,000 करोड़ रुपये की मजबूत ऑर्डर बुक और 100 से अधिक गीगावाट की वैश्विक पाइपलाइन है, जो प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों में सकारात्मक बाजार धारणा को दर्शाती है। इस तिमाही में, वारी ने 2.3 गीगावाट के साथ मॉड्यूल का अपना अबतक का सर्वोच्च उत्पादन हासिल किया।

क्या है डिटेल

कंपनी ने कहा कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 2.3 गीगावाट का उच्चतम तिमाही मॉड्यूल उत्पादन हासिल किया, जो मजबूत परिचालन और सेल उत्पादन में लगातार वृद्धि के कारण संभव हुआ। कंपनी के निदेशक मंडल ने गुजरात में सेल क्षमता में चार गीगावाट और महाराष्ट्र में इंगोट-वेफर क्षमता में चार गीगावाट की वृद्धि के लिए 2,754 करोड़ रुपये के अतिरिक्त पूंजीगत व्यय को भी मंजूरी दी। यह पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2026-27 तक फैला होगा और इसका वित्तपोषण आंतरिक स्रोतों और कर्ज के जरिए किया जाएगा।

बेहतर लोन ग्रोथ आउटलुक देखकर बैंक सेक्टर पर निवेशक दे रहे ध्यान, जानकार बोले- सही चयन जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। पहली तिमाही में (वित्त वर्ष पहली तिमाही 2026) में भारतीय बैंकिंग क्षेत्र ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वर्तमान समय में बैंकिंग क्षेत्र संकट के बजाए पुनर्मूल्यांकन चरण से गुजर रहा है। बैंकिंग में, पुनर्मूल्यांकन चरण आमतौर पर उस अवधि को संदर्भित करता है जब बैंक नए नियमों, आर्थिक स्थितियों या आंतरिक मूल्यांकनों के अनुसार अपनी प्रणालियों, प्रक्रियाओं या रणनीतियों को समायोजित करता है।

- **नीतिगत दरों में नरमी ने बैंकों का प्रदर्शन बेहतर किया-** नीतिगत दरों में नरमी की वजह से बैंक सेक्टर बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हुए हैं। बैंक विशेषज्ञों और ब्रोकरेज हाउसेस का कहना है कि बेहतर लोन ग्रोथ आउटलुक की वजह से बैंक सेक्टर पर निवेशक ध्यान दे सकते हैं। हालांकि वर्तमान में बैंकिंग परिदृश्य में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए बैंक के मजबूत प्रदर्शन और विकास की क्षमता पर ध्यान देते हुए चयनात्मक दृष्टिकोण बनाना ही उचित होगा।

निजी बैंक का प्रदर्शन

ब्रोक्रेज हाउस वेंचुरा के विशेषज्ञों का कहना है कि बड़े निजी बैंकों ने अपने पहली तिमाही में अच्छा प्रदर्शन किया। बैंकों को यह रेपो-लिंक्ड ऋणों के उच्च अनुपात के कारण हुआ है। इसलिए बैंकों को ब्याज दरों में उतार चढ़ाव और ट्रेजरी लाभ व आईटी रिफंड सहित मजबूत गैर ब्याज आय का लाभ मिला। उनकी परिसंपत्ति गुणवत्ता को मजबूत बनाने में बफर्स के मजबूत प्रावधान से भी बल मिला है।

10 साल में 300 प्रतिशत अरबपति बढ़े, 50 फीसदी घटी जनता की आमदनी

चेतावनी बनकर उभर रही आर्थिक विषमता

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में आर्थिक विकास की रफ्तार भले ही तेज हो, लेकिन उससे लाभ उठाने वाले लोगों का दायरा सीमित होता जा रहा है। क्रेडिट सुईस वेल्थ रिपोर्ट और फोर्ब्स इंडिया के नवीनतम विश्लेषणों के अनुसार भारत में पिछले एक दशक में अरबपतियों की संख्या 300 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है, जबकि 50 प्रतिशत से ज्यादा जनसंख्या की वास्तविक आय या तो स्थिर रही है या घट गई है। यह विषमता देश के सामाजिक ताने-बाने के लिए बड़ी चेतावनी है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ बहुत कम लोगों तक सिमटता जा रहा है। ऑक्सफैम इंटरनेशनल की रिपोर्ट सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट के अनुसार भारत में कुल संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा करीब 11.6 लाख करोड़ डॉलर केवल 1 प्रतिशत अमीरों के पास है। इसी तरह ग्लोबल इनइक्वैलिटी रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के शीर्ष 10 प्रतिशत लोग देश की कुल आय का लगभग 57 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करते हैं, जबकि निचले 50 प्रतिशत के हिस्से केवल 13 प्रतिशत आय आती है।

शेयर बाजार और रियल एस्टेट

पिछले एक दशक में बीएसई-सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल देखा गया, जिससे अमीरों की संपत्ति तेजी से बढ़ी। वहीं, 50 प्रतिशत से अधिक आबादी ऐसी है जिसकी आय श्रम, कृषि और असंगठित क्षेत्र से आती है, जहां वेतनवृद्धि लगभग नगण्य रहा।

उदारीकरण और पूंजी आधारित अर्थव्यवस्था

1991 में शुरू हुए आर्थिक सुधारों ने निजी पूंजी, कॉरपोरेट घरानों और वैश्विक निवेश को खुला मंच दिया। लेकिन इसका सीधा लाभ उच्च तकनीकी, पूंजी और शिक्षा वाले वर्ग को मिला न कि श्रमिक या ग्रामीण समुदायों को।

नोबेल विजेता थॉमस पिकेटी के अनुसार अगर आय और संपत्ति के अंतर को नहीं रोका गया, तो लोकतंत्र भी केवल धनी वर्ग का उपकरण बनकर रह जाएगा। द प्राइस ऑफ इनइक्वैलिटी के लेखक जोसेफ स्टिग्लिट्ज का कहना है कि जब समाज के अधिकतर संसाधन केवल कुछ लोगों के हाथ में होते हैं तो बाकी जनसंख्या हाशिए पर चली जाती है और आर्थिक अस्थिरता स्थायी हो जाती है।

गिल एंड कंपनी ने किया भारतीय उच्चायोग का दौरा, गिफ्ट किए स्पेशल क्रिकेट बैट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने मंगलवार को लंदन में स्थित भारतीय उच्चायोग का दौरा किया। इस दौरान कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हस्ताक्षर किए हुए क्रिकेट बैट भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी और उप उच्चायुक्त सुजीत घोष को भेंट किए। शुभमन गिल ने बैट भारतीय उच्चायुक्त को सौंपा, जबकि गौतम गंभीर ने उप उच्चायुक्त सुजीत घोष को हस्ताक्षरित बैट दिया। बीसीसीआई ने टीम इंडिया की इस मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए लिखा, भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी और उप उच्चायुक्त सुजीत घोष को हस्ताक्षर किए हुए क्रिकेट बैट भेंट किए।

इस अवसर पर बोलते हुए गौतम गंभीर ने भारत और इंग्लैंड के क्रिकेट संबंधों के ऐतिहासिक महत्व को याद किया। उन्होंने कहा, इस हिस्से का दौरा करना हमेशा खास और चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि दोनों देशों के बीच क्रिकेट का इतिहास बहुत पुराना और यादगार है।

जब भी हम यूके आए हैं, हमें यहां के लोगों का भरपूर समर्थन मिला है।

उन्होंने आगे कहा, पिछले पांच हफ्ते दोनों टीमों के लिए काफी रोमांचक रहे हैं। जो क्रिकेट खेला गया, वह हर क्रिकेट प्रेमी के लिए गर्व का विषय है। दोनों टीमों ने हर मौके पर पूरी ताकत लगाई और हर रन के लिए लड़ीं। अब एक हफ्ता और बचा है। आखिरी जोर लगाना है, और देश को एक बार फिर गर्वित करना है। जय हिंद! यह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज है, जिसमें फिलहाल इंग्लैंड 2-1 से आगे है। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर हुए चौथे टेस्ट में रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के बीच 203 रन की साझेदारी की बदौलत भारत ने मैच ड्रॉ करा लिया। अब सीरीज का अंतिम और निर्णायक टेस्ट मैच गुरुवार से लंदन के 'द ओवल' मैदान पर खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए इस सीरीज में शुभमन गिल ने कप्तानी के अलावा बल्लेबाजी की जिम्मेदारियों को भी निभाया है। वह सीरीज में अब तक चार शतक के साथ सर्वाधिक रन बना चुके हैं।

बुकार्ड, रादुकानू और ओसाका कैनेडियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। युजिनी बुकार्ड ने मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को कैनेडियन ओपन में एमिलियाना अरांगो को तीन सेटों में 6-4, 2-6, 6-2 से शिकस्त दी। 2014 विंबलडन फाइनलिस्ट युजिनी इस महीने की शुरुआत में घोषणा कर चुकी थीं कि यह उनके करियर का अंतिम टूर्नामेंट होगा। पूर्व वर्ल्ड नंबर 5 बुकार्ड, इस टूर्नामेंट में बतौर वाइल्ड कार्ड खेल रही हैं। फिलहाल डब्ल्यूटीए में उनकी कोई रैंकिंग नहीं है। बुकार्ड ने पिछली बार 2023 में टूर-लेवल मेन ड्रॉ मैच खेला था। अब अगले दौर में उनका सामना 17वीं वरीयता प्राप्त बेलिंडा बेंचिच से होगा। दूसरे राउंड में मिली जीत यूजिनी बुकार्ड के करियर की 300वीं मैच जीत थी। बुकार्ड को उम्मीद है कि यह उनकी आखिरी जीत नहीं होगी। डब्ल्यूटीए आंकड़ों के मुताबिक, वह अब तक बेलिंडा बेंचिच के खिलाफ तीन में से एक भी मुकाबला अपने नाम नहीं कर पाई हैं। बुकार्ड ने जीत के बाद कहा, मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने किस तरह प्रतिस्पर्धा की। मैंने पूरे मैच के दौरान फोकस और संघर्ष किया। यह एक शारीरिक और मानसिक लड़ाई थी। मॉन्ट्रियल में सबके सामने खेलना वाकई अद्भुत था। इस बीच, एम्मा रादुकानू और नाओमी ओसाका ने पहले राउंड में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। रादुकानू ने नॉर्थ अमेरिकन समर हार्ड-कोर्ट सीजन की मजबूत शुरुआत को जारी रखते हुए रोमानिया की एलेना-गैब्रिएला रुसे को 6-2, 6-4 से हराया।

टेस्ट के बाद टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने किया क्लीन स्वीप

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवां टी20 मैच तीन विकेट से अपने नाम किया। सेंट किट्स में खेले गए इस मुकाबले में जीत के साथ मेहमान टीम ने टी20 सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस दौरे की शुरुआत में तीन मुकाबलों की टेस्ट सीरीज खेली, जिसमें 3-0 से क्लीन स्वीप किया। इसके बाद मेहमान टीम ने पहले टी20 मैच को तीन विकेट से अपने नाम करने के बाद अगले मैच को आठ विकेट से जीता। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे मुकाबले को छह विकेट से जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद उसने चौथे मुकाबले को तीन विकेट से जीता। मेजबान वेस्टइंडीज के पास सम्मान बचाने का मौका था, लेकिन टीम इससे चूक गई। पांचवें टी20 मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज की टीम 19.4 ओवरों में 170 रन पर सिमट गई। टीम 64 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा चुकी थी। कप्तान शाई होप (9), ब्रैंडन किंग (11), कीसी कार्टी (1) और शेरफेन रदरफोर्ड (35) रन बनाकर पवेलियन लौट चुके थे।

यहां से शिमरोन हेटमायर ने जेसन होल्डर के साथ पांचवें विकेट के लिए 47 रन जोड़ते हुए टीम को संकट से उबारा। हेटमायर ने 31 गेंदों में 52 रन की पारी खेली, जिसमें तीन छक्के और तीन चौके शामिल रहे। जेसन होल्डर 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विपक्षी टीम की ओर से बेन ड्वारशुइस ने तीन विकेट अपने नाम किए, जबकि नाथन एलिस ने दो शिकार किए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 17 ओवरों में ही जीत दर्ज कर ली। टीम ने 60 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा दिए थे। यहां से कैमरून ग्रीन ने मिचेल ओवन के साथ पांचवें विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाल लिया। कैमरून ग्रीन 18 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मिचेल ओवन ने 17 गेंदों में 37 रन जुटाए। आरोन हार्डी ने 25 गेंदों में 28 रन की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई। मेजबान टीम की तरफ से अकील हुसैन ने सर्वाधिक तीन शिकार किए, जबकि अल्जारी जोसेफ और जेसन होल्डर ने दो-दो विकेट झटके।

काफा नेशंस कप

काफा नेशंस कप खेल सकता है भारत, ताजिकिस्तान-उजबेकिस्तान में होना है टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। ओमान को भी इसमें भाग लेने के लिये न्योता मिला है। टूर्नामेंट का पहला सत्र 2023 में हुआ था जिसमें ईरान विजयी रहा था। भारतीय टीम नए कोच के साथ इस टूर्नामेंट में उतर सकती है। भारतीय फुटबॉल टीम ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान में 28 अगस्त से आठ सितंबर के बीच काफा नेशंस कप खेल सकती है। चूंकि मलेशिया के विकल्प के तौर पर मध्य एशियाई फुटबॉल संघ ने भारत को खेलने का न्योता दिया है। आठ टीमों के टूर्नामेंट से मलेशिया ने खिलाड़ियों की उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स का हवाला देकर 15 जुलाई को नाम वापिस ले लिया था। यह टूर्नामेंट फीफा की अंतरराष्ट्रीय विंडो में नहीं पड़ता जो एक से नौ सितंबर के बीच है।

ओमान को भी इसमें भाग लेने के लिये न्योता मिला है। टूर्नामेंट का पहला सत्र 2023 में हुआ था जिसमें ईरान विजयी रहा था। समझा जाता है कि एआईएफएफ ने न्योता स्वीकार कर लिया है, लेकिन आयोजकों की ओर से अंतिम पुष्टि का इंतजार है। एआईएफएफ के एक अधिकारी ने कहा, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन हम इंतजार कर रहे हैं।

अगर भारत खेलता है तो नए मुख्य कोच के साथ यह पहला टूर्नामेंट होगा। नए कोच की नियुक्ति एक अगस्त को होने वाली है। इस टूर्नामेंट में ईरान, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान, किर्गीस्तान और तुर्कमेनिस्तान भाग ले रहे हैं।

ऐसे क्लब से जुड़ना चाहता था, जो टॉप-3 में शामिल हो: फ्लोरियन विर्ट्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रीमियर लीग 2025-26 सीजन से पहले फ्लोरियन विर्ट्ज ने लिवरपूल में अपने ट्रांसफर को लेकर बताया कि यह उनके लिए एक आसान फैसला था। विर्ट्ज ने खुलासा किया है कि वह उस क्लब का हिस्सा बनना चाहते थे, जो दुनिया के शीर्ष तीन क्लबों में शुमार है। लिवरपूल एफसी ने बायर लेवरकूजन से विर्ट्ज को साइन किया। 22 वर्षीय मिडफील्डर ने रेड्स के साथ लॉन्ग-टर्म कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किया है। अब वह अपने पूर्व लेवरकूजन साथी जेरेमी फ्रिमपोंग के साथ दोबारा एक ही टीम में खेलते नजर आएंगे। विर्ट्ज ने जियो हॉटस्टार पर कहा, मैं बहुत खुशी और गर्व महसूस कर रहा हूं। आखिरकार वह पल आ ही गया, जिसका मैं लंबे समय से इंतजार कर रहा था। मुझे लगा कि मेरे करियर में यह अगला कदम उठाने का सही समय है। मैं एक ऐसे क्लब से जुड़ना चाहता था, जो दुनिया के शीर्ष तीन क्लबों में शामिल हो। मेरी नजर में लिवरपूल उनमें से एक है। उन्होंने कहा, मैंने खुद को लिवरपूल में सबसे सुरक्षित और बेहतर हाथों में पाया।

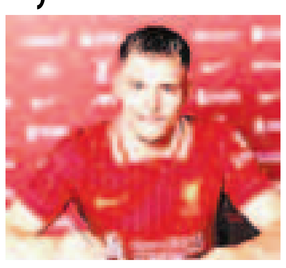

फिनलैंड के महेश तांबे ने बनाया सबसे तेज 5 विकेट लेने का रिकॉर्ड

राशिद खान को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। फ़िनलैंड टीम में भारतीय मूल के तेज गेंदबाज महेश तांबे ने तेलिन में इतिहास रच दिया जब उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में सबसे तेज पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। फ़िनलैंड के एस्टोनिया दौरे के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उन्होंने अपनी पहली नौ गेंदो में पांच विकेट लिए। पहले यह रिकॉर्ड बहरीन के जुनैद अज़ीज़ के नाम था, जिन्होंने 2022 में जर्मनी के खिलाफ 10 गेंदो में पांच विकेट लिए थे। टेस्ट खेलने वाले देशो और पूर्ण सदस्य टीमो में, अफ़ग़ानिस्तान के राशिद खान ने 2017 में आयरलैंड के खिलाफ 11 गेंदो में पांच विकेट लिए थे। फ़िनलैंड के कप्तान अमजद शेर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। तांबे ने पहला विकेट 17वें ओवर में साहिल चौहान के रूप में लिया। चौहान के नाम सिर्फ 27 गेंदो में सबसे तेज टी20 शतक लगाने का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने अगली ही गेंद पर मुहम्मद उस्मान का विकेट लिया। इसके बाद उन्होंने ओवर की आखिरी गेंद पर स्टीफन गूच को आउट किया। पहले गूच रिटायर्ड हर्ट होकर लौटे थे। फिर 19वें ओवर में तांबे ने रूपम बरुआ और प्रणय घीवाला के विकेट लिए।

एडम जम्पा ने टी20 क्रिकेट में लगाया शतक, ये कारनामा करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलिया खिलाड़ी बनें

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के अनुभवी लेग स्पिनर एडम जम्पा ने अपने करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है. उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 29 जुलाई 2025 को खेले गए पांचवें और अंतिम ञ्20 इंटरनेशनल मुकाबले में अपना 100वां टी20 इंटरनेशनल मैच खेला. जम्पा ऑस्ट्रेलिया के लिए यह मुकाम हासिल करने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं. हालांकि, जम्पा का यह 'शतक' बल्ले से नहीं बल्कि मैदान पर लगातार प्रदर्शन से आया है. 2016 में डेब्यू करने वाले इस स्पिनर ने पिछले एक दशक में खुद को ऑस्ट्रेलिया की टी20 गेंदबाजी की रीढ़ साबित किया है.

100 टी20 खेलने वाले ऑस्ट्रेलिया के चौथे खिलाड़ी - एडम जम्पा से पहले ग्लेन मैक्सवेल (121 मैच), डेविड वॉर्नर (110 मैच) और एरॉन फिंच (103 मैच) ही यह शानदार उपलब्धि हासिल कर पाए हैं. जम्पा अब तक 100 मैचों में 125 विकेट अपने नाम कर चुके हैं. उन्होंने ये आंकड़ा 99 पारियों में हासिल किया है.

अपने 100वें मैच में कैसा रहा प्रदर्शन - वेस्टइंडीज के खिलाफ जम्पा ने 3 ओवर गेंदबाजी की और 21 रन देकर 1 विकेट झटका. उन्होंने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को आउट कर अपना 100वां मैच और भी यादगार बना दिया.

टी20 में जम्पा के आंकड़े - अब तक एडम जम्पा ने 100 टी20 इंटरनेशनल मैचों की 99 पारियों में 125 विकेट चटकाए हैं. उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/19 का रहा है. उन्होंने अब तक 2 बार 4 विकेट और 1 बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया है. उनका इकोनॉमी रेट 7 से नीचे (6.96) रहना बताता है कि वो रन रोकने में भी माहिर हैं.

टी20 करियर में जम्पा के आंकड़े

मैच- 100
पारियां- 99
विकेट- 125
औसत- 21.70
इकोनॉमी- 6.96
बेस्ट बॉलिंग- 5/19
4 विकेट- 2 बार
5 विकेट- 1 बार

वेस्टइंडीज सीरीज में जम्पा का जलवा -

5 मैचों की टी20 सीरीज में जम्पा सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं. उन्होंने 8 विकेट लेकर गेंद से शानदार कमाल दिखाया है. उनका बेस्ट प्रदर्शन 3/29 का है. इस सीरीज के जरिए उन्होंने फिर साबित कर दिया कि बड़े मौकों पर उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है ।

मेरे बेटे को ऋषभ पंत की जगह दो, वाशिंगटन सुंदर के पिता ने गंभीर-अगरकर पर जमकर हमला बोला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के पिता एम. सुंदर ने भारतीय सेलेक्टर्स पर तीखा हमला किया और अपने बेटे को लगातार मौके न मिलने पर निराशा जाहिर की। वाशी के पिता का ये रिएक्शन ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में वाशिंगटन के शानदार प्रदर्शन के बाद आई है, जहां इस ऑलराउंडर ने अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा और इंग्लैंड के खिलाफ मैच को ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। वाशी के पिता ने बात करते हुए कहा कि वाशिंगटन लगातार बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन लोग उसके प्रदर्शन को नजरअंदाज कर देते हैं और भूल जाते हैं। दूसरे खिलाड़ियों को नियमित तौर पर चांस मिलते हैं सिर्फ मेरे बेटे को ही नहीं मिलता। उन्होंने आगे कहा कि वाशिंगटन को लगातार पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, जैसा उसने चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में किया था और उसे लगातार पांच से दस मौके मिलने चाहिए। हैरानी की बात है कि मेरे बेटे को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए नहीं चुना गया। चयनकर्ताओं को उसके प्रदर्शन पर नजर रखनी चाहिए।

आपको बता दें कि टेस्ट में भारत के लिए नंबर 5 पर ऋषभ पंत बैटिंग करते हैं ऐसे में वाशी के पिता का ये डिमांड किस हद तक जायज है ये भी बड़ा सवाल है।

शुभमन गिल को डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड तोड़ने के 4 बार मिलेंगे मौके, इंग्लैंड से 5वें टेस्ट में ऐसे होगा हैरतअंगेज कमाल!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. उन्होंने अब तक खेले 4 टेस्ट की 8 पारियों में 722 रन बनाए हैं. और, देखा जाए तो डॉन ब्रैडमैन का 95 साल पुराना टेस्ट रिकॉर्ड भी ज्यादा दूर नहीं है. आखिरी टेस्ट में 2 बेहतरीन पारियां शुभमन गिल को वहां पहुंचा सकती हैं, जहां उनसे पहले आज तक कोई नहीं पहुंचा. डॉन ब्रैडमैन को पीछे कर वो किसी एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं. कमाल की बात ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर खेले जाने वाले आखिरी टेस्ट में शुभमन गिल एक नहीं बल्कि 4 बार डॉन ब्रैडमैन को पीछे छोड़ते दिख सकते हैं. ये हैरतअंगेज कमाल होगा कैसे, आइए जानते हैं.

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक सीरीज में सबसे ज्यादा 974 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन के नाम है. इस रिकॉर्ड को उन्होंने साल 1930 में इंग्लैंड की जमीन पर खेली एशेज सीरीज में बनाया था. शुभमन गिल 95 साल से कायम इस रिकॉर्ड को तोड़ने से 253 रन दूर हैं. इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के आखिरी टेस्ट में वो ये कारनामा कर सकते हैं. शुभमन गिल ने ऐसा किया तो ओवल टेस्ट में कुल 4 बार डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड तोड़ते दिखेंगे.

शुभमन गिल 4 बार तोड़ेंगे ब्रैडमैन का रिकॉर्ड - 974 रन एक टेस्ट सीरीज में किसी बल्लेबाज के बनाए अब तक के सबसे ज्यादा रन हैं. डॉन ब्रैडमैन ने ये रन बनाए थे मगर, शुभमन गिल को उसने तोड़ने तक पहुंचने से पहले डॉन ब्रैडमैन के ऐसे ही 3 और रनों के पहाड़ से दो-चार होना पड़ेगा. डॉन ब्रैडमैन ने साल 1934 में खेली एशेज सीरीज में इंग्लैंड की जमीन पर ही 758 रन बनाए थे. इससे पहले 1931-32 में साउथ अफ्रीका की टीम जब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आई थी तो डॉन ब्रैडमैन ने उसमें 806 रन बनाए थे. फिर जब 1936-37 में इंग्लैंड की टीम एशेज खेलने ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर आई तो डॉन ब्रैडमैन ने उस सीरीज में 5 टेस्ट की 9 पारियों में 810 रन जड़े थे. बेशक, शुभमन गिल को डॉन ब्रैडमैन के 974 रनों की दीवार लांघनी है. दुनिया भर के क्रिकेट फैंस भी उन्हें ऐसा ही करते देखना चाहेंगे. लेकिन, जब वो ऐसा कर रहे होंगे तो डॉन ब्रैडमैन के 3 और रिकॉर्डों को भी तोड़ रहे होंगे.मतलब, इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर खेले जाने वाले आखिरी टेस्ट में वो खेलेंगे तो 2 ही पारी मगर वो 4 बार ब्रैडमैन के रनों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए दिख सकते हैं.

इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल - शुभमन गिल ने फिलहाल 4 टेस्ट की 8 पारियों में 722 रन 90.25 की औसत से बनाए हैं, जिसमें 4 शतक शामिल हैं. अगर उनकी बाकी 4 इनिंग फीकी नहीं रहती तो वो ब्रैडमैन के वर्ल्ड रिकॉर्ड वाले 974 रन के आंकड़े को तोड़ने के और करीब होते. लेकिन, अभी भी मौका है. देखना दिलचस्प रहेगा कि एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रनों की रेस में खुद से 4 बार आगे खड़े ब्रैडमैन को वो कितनी बार पीछे छोड़ते हैं. एक, दो, तीन या फिर पूरे 4 बार ऐसा कर वो 95 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हैं ।

कानूनी मामले में फंसीं निर्देशक को चप्पल मारने वाली रुचि गुर्जर

दायर हुआ 10 करोड़ का मुकदमा

त्रिधा चौधरी, आकांक्षा पुरी और विक्रम कोचर स्टारर क्राइम थ्रिलर सो लॉन्ग वैली रिलीज से पहले तब विवादों में आ गई, जब फिल्म के निर्माता और निर्देशक मान सिंह ने अभिनेत्री रुचि गुज्जर के खिलाफ 10 करोड़ रुपए का मानहानि का मुकदमा दायर कर दिया। मान सिंह ने रुचि पर आर्थिक नुकसान पहुंचाने और फिल्म की प्रतिष्ठा धूमिल करने के उद्देश्य से साजिश रचने, धमकी देने और बाधा डालने का आरोप लगाया है। बता दें कि ये वो ही रुचि गुर्जर हैं, जिनका दो दिन पहले निर्माता-निर्देशक मान सिंह पर चप्पल से मारने का वीडियो वायरल हुआ था। ऑफिशियल बयान के अनुसार, रुचि गुज्जर ने कथित तौर पर अपने दोस्त करण सिंह चौहान को 20-30 लाख रुपये दिए थे। मान सिंह ने बताया है कि रुचि गुज्जर और करण सिंह गहरे दोस्त हैं। इन दोनों के बीच सोनी टीवी के एक शो को लेकर पैसों का लेनदेन हुआ था। लेकिन बाद मे रुचि ने करण पर धोखाधड़ी के इल्जाम लगाए। रुचि का कहना था कि करण सिंह ने ये पैसे मेरी फिल्म सो लॉन्ग वैली में लगा दिए। जबकि मैं कह रहा हूं कि करण ने मेरी फिल्म में एक रुपया भी नहीं लगाया है, अगर रुचि आरोप लगा रही हैं तो किसी बैंक ट्रांजैक्शन का डिटेल सबूत के रूप में दें।

अदालत ने कहा रिलीज में बाधा नहीं डाल सकतीं रुचि

बयान में आगे कहा गया कि रुचि गुज्जर ने कुछ कलाकारों को फिल्म में काम न करने के लिए गुमराह किया। इसके बाद उन्होंने अदालत में एक अर्जी दायर करके फिल्म की रिलीज रोकने की कोशिश की, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया क्योंकि मान सिंह के पक्ष में फैसला सुनाया गया। अदालत ने पुष्टि की कि रुचि का प्रोडक्शन कंपनी के साथ कोई आर्थिक लेनदेन या अनुबंध नहीं है और इसलिए वह रिलीज में बाधा नहीं डाल सकतीं।

कानूनी झटके के बाद एक्ट्रेस ने किया बवाल

कानूनी झटके के बावजूद सो लॉन्ग वैली के प्रीमियर शो के दौरान मामला और बिगड़ गया, जहां रुचि ने बहुत हंगामा किया। चप्पल और पानी की बोतल फेंकी, जिसके बाद अंबोली पुलिस ने उनके और छह अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। घटना के बाद मान सिंह ने अपनी कानूनी टीम के साथ अभिनेत्री की हरकत पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इन झूठे आरोपों और धमकियों के कारण फिल्म को गंभीर आर्थिक नुकसान हुआ है। रुचि ने फिल्म के प्रोडक्शन से कोई संबंध न होने के बावजूद अभिनेताओं और टीम को धमकाया। इसलिए हमने 10 करोड़ रुपए का मानहानि का दावा दायर किया है।

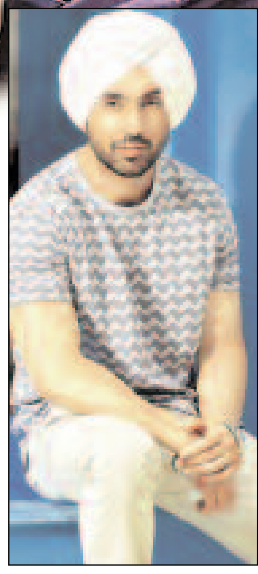

दिलजीत दोसांझ ने बॉर्डर 2 की शूटिंग को लेकर दी बड़ी अपडेट

अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने अपनी अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर बड़ी अपडेट दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह काफी खुश नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में वह लोगों को मिठाई खिला रहे हैं। कई यूजर्स ने इस वीडियो पर कमेंट किए हैं। दरअसल दिलजीत दोसांझ की अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग पूरी हो गई है। इसीलिए वह जश्न मना रहे हैं। दिलजीत दोसांझ ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें वह अपने साथियों और दोस्तों को मिठाई खिला रहे हैं और जश्न मना रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत दोसांझ ने इसके कैप्शन में लिखा बॉर्डर 2 की शूटिंग पूरी हो चुकी है। करण इस फिल्म में शहीद निर्मल जीत सिंह की भूमिका निभाएंगे। इस पोस्ट पर वरुण धवन ने कमेंट में लिखा है पा जी एक शॉट बाकी है। अनुराग पाक बुला रहे हैं। एक और यूजर ने लिखा है दिल जीत लिया आपने। इससे पहले इस फिल्म में अभिनय कर रहे अहान शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर जानकारी दी थी कि उन्होंने पुणे में होने वाली शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने अपने साथियों की तस्वीरें भी शेयर की थीं। वरुण धवन ने भी जानकारी दी थी कि उन्होंने पुणे में एनडीए की शूटिंग पूरी कर ली है। इसके बाद उन्होंने चाय और बिस्कुट के साथ सेलिब्रेट किया था।

सिर्फ शो नहीं, परिवार मिला!

➤ अंकिता और विक्की ने लाफ्टर शेफ 2 के लिए जताया आभार

लाफ्टर शेफ 2 के ग्रैंड फिनाले से पहले, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने अपने सफर को याद कर सोशल मीडिया पर एक नोट साझा किया। कपल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें विक्की ने शो का हिस्सा बनने के लिए कलर्स चैनल को धन्यवाद दिया, जबकि अंकिता ने कहा कि वह लाफ्टर शेफ को बहुत मिस करेंगी, क्योंकि इस शो ने उन्हें एक परिवार दिया।

दर्शकों के प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए, उन्होंने लिखा, यह नोट लंबा है और हम दोनों की ओर से है... सबसे पहले, उन सभी दर्शकों को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने शो को इतना प्यार और सराहना दी। आपका प्यार हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कलर्स चैनल, साथी और प्रतियोगियों, होस्ट भारती सिंह और जज हरपाल सिंह सोखी को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद कलर्स टीवी और शीतल मैम, जिन्होंने हमें एक ऐसा परिवार दिया, जिसकी हमें जरूरत थी; यह हमने पहले कभी नहीं सोचा था। लाफ्टर शेफ 2 के ग्रैंड फिनाले की घोषणा के साथ, शो के कलाकारों और क्रू ने अपने अनुभवों को साझा किया। अली, करण, निया, कश्मीरा, रीम, सुदेशजी, कृष्णा, अभिषेक, एल्विश, रूबी, राहुल, जन्नत, और सबसे खास भारती और हरपाल जी ने इस शो को एक शानदार टीम का हिस्सा बनाया। उन्होंने कहा कि इस शो ने उन्हें ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन ढेर सारी मस्ती, हंसी, और प्यार दिया। उन्होंने कैमरे के पीछे काम करने वाली पूरी टीम को भी धन्यवाद दिया, जिसमें गुरप्रीत, पूनम, वंकुश, दीपिका, क्रिएटिव टीम, कलर्स टीवी, ऑप्टिमिस्टिक टीम, और विपुल सर शामिल हैं। इन सभी ने शो को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंकिता और विक्की ने बताया कि लाफ्टर शेफ उनके लिए सिर्फ एक शो नहीं, बल्कि एक थेरेपी की तरह है, जो उनकी जिंदगी में इस समय बहुत जरूरी थी। शो की मेजबानी भारती सिंह कर रही हैं, जबकि शेफ हरपाल सिंह सोकही जज की भूमिका में हैं। इस दूसरे सीजन में अंकिता, विक्की, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, समर्थ जुरेल, अभिषेक कुमार, सुदेश लहरी, निया शर्मा, अली गोनी, रीम शेख, रुबीना दिलैक, और राहुल वैद्य बतौर कंटेस्टेंट शामिल हैं।

वरुण धवन की प्रेमिका बनेंगी मेधा राणा

बॉर्डर 2 में आएंगी नजर

फ्राइडे नाइट प्लान, इश्क इन द एयर, डांसिंग ऑन द ग्रेव, और लंदन फाइल्स में अपने दमदार अभिनय से सबकों चौंकाने वाली अभिनेत्री मेधा राणा बॉर्डर 2 में बॉलीवुड स्टार वरुण धवन की प्रेमिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी। मेधा के चुनाव को लेकर निर्माता भूषण कुमार ने कहा, हमारे लिए किसी ऐसी अभिनेत्री को ढूंढना बेहद जरूरी था जो स्वाभाविक रूप से उस क्षेत्र की भाषा, भाव, और असली माहौल को फिल्म में सही तरीके से दिखा सके। मेधा ने अपनी काबिलियत से सबको प्रभावित किया, खासकर क्षेत्र की बोली, बोलने के तरीके, और अभिनय में भावों की गहराई ने सभी को चौंका दिया। हमें पूरा विश्वास है कि मेधा इस रोल में बिल्कुल परफेक्ट है।

बता दें कि मेधा सैन्य परिवार से आती है।

प्रोड्यूसर निधि दत्त ने कहा कि बॉर्डर 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक भावना है। इसमें गहरा एहसास और अटूट जज्बा है। मेधा को कास्ट करने के बारे में उन्होंने कहा, फिल्म में डायरेक्टर से लेकर सभी कलाकारों का चुनाव इस वजह से किया गया है ताकि एक ऐसी कहानी दिखाई जा सके जो सच्ची और प्रेरणादायक लगे। मेधा राणा और वरुण धवन साथ मिलकर फिल्म में एक नई ताजगी लाएंगे; यह जोड़ी कहानी को खूबसूरत बना देगी।

फिल्म बॉर्डर 2 के निर्देशक अनुराग सिंह हैं और इसका निर्माण गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले हो रहा है। बॉर्डर 2 जेपी दत्ता की 1997 की ब्लॉकबस्टर बॉर्डर का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित फिल्म थी। उसमें सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, अक्षय खन्ना, सुदेश बेरी, पुनीत इस्सर, कुलभूषण खरबंदा, तब्बू, राखी गुलजार, पूजा भट्ट और शरबानी मुखर्जी लीड रोल में थे। वहीं बॉर्डर 2 में सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी भी हैं। यह फिल्म 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

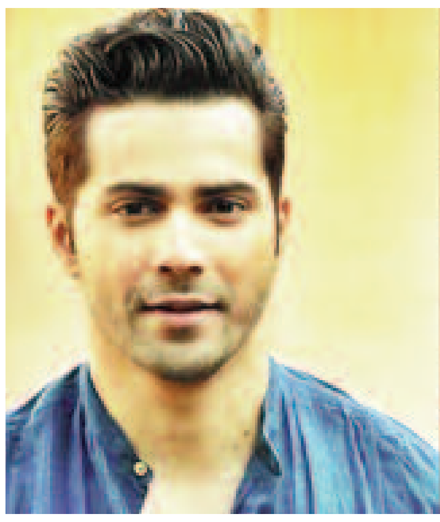

मुझे कभी अहसास नहीं हुआ कि मैं आउट साइडर हूं: श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री और निर्माता श्वेता त्रिपाठी ने अपनी नई प्रोडक्शन कंपनी बंदरफुल शुरू करने के पीछे की प्रेरणा और फिल्म इंडस्ट्री में अपने अनुभवों को साझा किया। श्वेता ने बताया कि उन्होंने हमेशा इंडस्ट्री में अपनापन महसूस किया और अब वह दूसरों को मौका देना चाहती हैं।

श्वेता ने बताया कि उन्हें यह कभी नहीं लगा कि वह इंडस्ट्री के बाहर से हैं; उन्हें यहां हमेशा अपनापन महसूस हुआ। श्वेता ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के बारे में कहा, क्यों इंतजार करें कि कोई और कहानी को सामने लाए? बहुत सारी कहानियां और प्रतिभाशाली लोग हैं। मैं ऐसे लोगों को जानती हूं और अगर मेरे पास संसाधन हैं, तो मैं उन्हें मौका देना चाहती हूं।

उन्होंने कहा कि वह अपने सफर में कई लोगों से मिलती हैं और कुछ कहानियां उन्हें बहुत प्रभावित करती हैं। श्वेता ने बताया, मैं चाहती हूं कि दुनिया भी इन्हें महसूस करे। इसलिए मैंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की। दूसरों पर उंगली उठाने से पहले हमें खुद से पूछना चाहिए कि हम उनके लिए क्या कर रहे हैं। बंदरफुल प्रोडक्शन हाउस का उद्देश्य ऐसी कहानियों को बढ़ावा देना है जो रूढ़ियों, व्यावसायिक दबावों या सामाजिक बंधनों से मुक्त हों। श्वेता ने कहा, मुझे खुशी है कि लोगों ने मुझ पर भरोसा किया। फिल्ममेकर्स ने मेरी प्रतिभा और पैशन को देखा। अब मैं दूसरों में वह जुनून देखना चाहती हूं और उन्हें मंच देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वह उन लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो सिनेमा और ऐसी कहानियों के प्रति जुनूनी हों जो समाज पर प्रभाव डाल सकें। इंडस्ट्री के अपने अनुभव को साझा करते हुए श्वेता ने कहा, मुझे शुरू से ही गुनीत मोंगा, अनुराग कश्यप और करण जौहर जैसे लोगों का साथ मिला। मैंने कभी खुद को बाहरी नहीं माना। मेरे लिए यह सब भावनाओं और जुड़ाव के बारे में है, न कि जेंडर, जाति या वर्ग के बारे में। प्रोड्यूसर बनने के अनुभव को श्वेता ने एक नया सफर बताया। उन्होंने बताया, प्रोड्यूसर बनना एक सीखने की प्रक्रिया है। हर कदम मुझे कुछ नया सिखा रहा है और मैं इस सफर के लिए तैयार हूं।

गीता बसरा की मेहर का पोस्टर रिलीज, बोलीं-

यह फिल्म कई मायनो में मेरे लिए बेहद खास है

फिल्म मेहर के जरिए शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा पंजाबी सिनेमा में कदम रख रहे हैं। उनके अलावा गीता बसरा भी इस फिल्म के जरिए पर्दे पर लौट रही हैं। कल रविवार को फिल्म से उनका लुक सामने आया था। आज सोमवार को एक और पोस्टर रिलीज किया गया है, जिसमें गीता बसरा की झलक है। इसके साथ गीता बसरा ने फिल्म में काम करने का अपना अनुभव भी शेयर किया है। गीता बसरा ने इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, यह फिल्म मेरे लिए कई वजहों से खास है। बात सिर्फ कहानी और मेरे किरदार की नहीं है, बल्कि उस टीम की है जिसके साथ मैंने काम किया है। सबसे पहले मैं मुकेश छाबड़ा का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी, जिन्होंने मुझे यह रोल दिया और मुझमें सिम्मी की कल्पना की। आप हमेशा मुझसे कहते थे, गीता, मुझ पर भरोसा रखो, मैं तुम्हारे लिए कुछ बहुत अच्छा लाऊंगा और आपने वो कर दिखाया, मेरे दोस्त, इसलिए शुक्रिया।

गीता ने राज कुंद्रा को बताया शानदार को-स्टार

गीता बसरा ने पोस्ट में आगे राज कुंद्रा को टैग किया है। उन्होंने लिखा है, आपने इस किरदार के लिए सचमुच अपना खून-पसीना एक कर दिया है! करम के किरदार के लिए आपने जो समर्पण दिखाया है, वो काबिले तारीफ है और यकीन मानिए, आपकी मेहनत रंग जरूर लाएगी। दुनिया एक ऐसे राज को देखेगी, जिसके बारे में शायद बहुत कम लोग जानते होंगे! फिल्मों में आपका आधिकारिक तौर पर स्वागत है, क्योंकि मैं इस फिल्म को एक अभिनेता के तौर पर आपकी पहली फिल्म के तौर पर देखूंगी!

उर्मिला के किरदार में आएंगी नजर सुरभि दास

हाल ही में फिल्म 'रामायण' का फर्स्ट लुक जारी किया गया। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आए और साउथ एक्टर यश रावण के किरदार में दिखे। फिल्म में सीता माता की भूमिका में साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी है। वहीं एक असमिया और टीवी एक्ट्रेस भी इस फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं। असमिया एक्ट्रेस सुरभि दास फिल्म 'रामायण' में उर्मिला की भूमिका में दिखेंगी। उर्मिला माता सीता की बहन हैं। उर्मिला, प्रभु राम के भाई लक्ष्मण की पत्नी भी हैं। फिल्म में उर्मिला का त्याग भी दिखाया जाएगा। लक्ष्मण का रोल फिल्म 'रामायण' में टीवी एक्टर रवि दुबे कर रहे हैं। इस तरह से सुरभि दास और रवि दुबे साथ अभिनय करते हुए नजर आएंगे। सुरभि एक असमिया एक्ट्रेस हैं। साथ ही वह एक हिंदी टीवी सीरियल 'नीमा डेन्जोंगपा' में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा वह दादा तुमी दुस्तो बोर नाम की बंगाली फिल्म भी कर चुकी हैं।

साभार एजेंसी